आज का विचार

जिन्दगी का सबसे कठिन काम है इंसान को पहचानना।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-25 अंक-167 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

वृद्ध ने की खुदकुशी

बैकुण्ठपुर शुक्रवार 27 जून, 2025

भारतीय कप्तान शुभमन गिल के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड, विराट कोहली के क्लब में हुए शामिल

लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति:लोकतंत्र सेनानियों का संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणास्रोत - मुख्यमंत्री साय

00 आपातकाल स्मृति दिवस पर सम्मानित हुए लोकतंत्र सेनानी

रायपुर। लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। आज हम लोकतंत्र की फिजा में जिस आजादी का अनुभव कर रहे हैं, उसकी कीमत आपातकाल के दौरान कुछ लोगों ने यातना, अपमान और जेलों में समय काटकर चुकाई थी। इन लोकतंत्र सेनानियों की पीड़ा और संघर्ष को हर पीढ़ी तक पहुँचाना हमारा कर्तव्य है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित आपातकाल स्मृति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने लोकतंत्र विरोधी ताकतों से सावधान रहने और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों को बेडि?ों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की याद दिला दी। आपातकाल के दौरान असहनीय कष्ट सहने वाले लोकतंत्र सेनानी आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उन्होंने श्री सच्चिदानंद उपासने द्वारा लिखित पुस्तक वो 21 महीनेः आपातकाल का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 25 जून 1975 को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला दिन माना जाता है। आपातकाल में हजारों लोगों को बिना अपराध के जेलों में ठूंस दिया गया, मौलिक अधिकार छीन लिए गए और लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उन्होंने इस त्रासदी को बहुत करीब से देखा है। उनके स्वर्गीय बड़े पिताजी श्री नरहरि प्रसाद साय भी उस दौर में 19 महीने तक जेल में बंद रहे थे। उनके द्वारा सुनाए गए किस्से आज भी रोंगटे खड़े कर देते हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार लोकतंत्र सेनानियों को बेडि?ों में जकड़कर शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। यह सब स्वतंत्र भारत में हुआ, लेकिन उस अमानवीयता ने अंग्रेजी हुकूमत की क्रूरता की पुनः याद दिला दी। उन्होंने कहा कि आपातकाल में कलाकारों की स्वतंत्रता तक छीनी गई। पार्श्व गायक किशोर कुमार द्वारा सरकारी प्रचार गीत गाने से इनकार करने पर उनके गीतों पर आकाशवाणी में प्रतिबंध लगा दिया गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान राशि देने की शुरूआत की थी, जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया। हमारी सरकार ने न केवल यह सम्मान राशि पुनः प्रारंभ की, बल्कि पूर्व सरकार द्वारा रोकी गई पिछले पाँच वर्षों की बकाया राशि का भी भुगतान किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब लोकतंत्र सेनानियों की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ की जाएगी और उनके परिजनों को 25,000 की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, विधानसभा में एक अधिनियम पारित कर यह सुनिश्चित किया गया है कि भविष्य में कोई भी सरकार इस सम्मान योजना को समाप्त न कर सके। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने उद्बोधन में आपातकाल की भयावहता और लोकतंत्र सेनानियों के बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपातकाल के 21 महीनों की प्रताड?ा और लोकतंत्र पर हुए आघात को देश के हर नागरिक तक पहुँचाना आज की पीढ़ी की जिम्मेदारी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज मीसाबंदी आंदोलन के सहभागी और उनके परिजन हमारे बीच हैं। उन्होंने आपातकाल को असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि उस समय पूरे देश को एक विशाल जेल में बदल दिया गया था। लोकतंत्र के स्तंभ–न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका और मीडिया–को निष्क्रिय कर दिया गया था। प्रेस पर सेंसरशिप थोप दी गई थी और सच्चाई बोलने वालों को जेलों में डाल दिया गया था।उन्होंने बताया कि देश उस समय गहरे आर्थिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा था–मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर थे। जनता के भीतर आक्रोश पनप रहा था और उसी को कुचलने के लिए आपातकाल थोपा गया। उन्होंने कहा कि यदि आज लोकतंत्र जीवित और मजबूत है, तो इसका श्रेय उन सेनानियों को जाता है जिन्होंने अपार कष्ट सहकर भी संविधान और देश की आत्मा की रक्षा की। इस अवसर पर श्री पवन साय और लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सच्चिदानंद उपासने ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, विधायक श्री मोतीलाल साहू, सीजीएमएससी के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्द कुमार साहू, लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिवाकर तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोकतंत्र सेनानी एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

पहला कॉलम

पद्मश्री हास्य कवि सुरेंद्र दुबे का निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ से दुनिया भर में मशहूर हुए हास्य कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का गुरुवार को शाम सवा चार बजे निधन हो गया। खबर है कि हार्ट अटैक की वजह से उनका निधन हुआ । रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में उनका इलाज चल रहा था। अपनी चिर परिचित अंदाज के लिए वे अलग ही पहचान रखते थे। अपनी कविताओं में कहा करते थे- टाइगर अभी जिंदा है।

वह पेशे से एक आयुर्वेदिक चिकित्सक भी थे। दुबे का जन्म 8 जनवरी 1953 को छत्तीसगढ़ में दुर्ग के बेमेतरा में हुआ था। उन्होंने पांच किताबें भी लिखी थी। उन्हें भारत सरकार द्वारा 2010 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वे राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके थे। वे राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। स्टेज प्रोग्राम के साथ टीवी चैनलों में लगातार कार्यक्रम देते रहे। उन्हे हंसी का खजाना भी कहा जाता था।

कुछ अलग

राजनाथ सिंह ने एससीओ शिखर सम्मेलन में साझा बयान दस्तावेज पर हस्ताक्षर से इंकार किया

नईदिल्ली,26 जून (ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की रक्षा मंत्रियों की बैठक में साक्षा बयान पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। दरअसल, सिंह ने बैठक में पहलगाम और आतंकवाद समेत कई मुद्दों पर बात की, जिससे पाकिस्तान और चीन बचना चाह रहे थे। बैठक के बाद सिंह को आतंकवाद को लेकर साझा बयान पर हस्ताक्षर करना था, लेकिन इससे आतंकवाद पर भारत का रुख कमजोर होता, इसलिए उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए। रिपोर्ट के मुताबिक, एससीओ रक्षा मंत्रियों के साझा बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र नहीं किया गया है, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों को 22 अप्रैल को गोली मारी गई थी। इसके बजाय बयान में पाकिस्तान के बलूचिस्तान का नाम शामिल किया गया है, जहां पाकिस्तान लगातार भारत पर अशांति फैलाने का आरोप लगाता है। चर्चा है कि पाकिस्तान के कहने पर उसके मित्र देश चीन ने मेजबान देश होने के नाते पहलगाम घटना को दस्तावेज से बाहर किया है। सिंह ने एससीओ बैठक में चीन और रूस के रक्षा मंत्रियों से द्विपक्षीय मुलाकात की है, जबकि उनकी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं हुई। यहां तक ख्वाजा आसिफ से नमस्कार भी नहीं हुआ। भारत ने पहले ही स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान से आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत होगी। 2001 में स्थापित एससीओ का उद्देश्य सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना है। इसमें भारत, चीन, बेलारूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

खरी-खरी

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 2 महिला नक्सली मुठभेड़ में ढेर

नारायणपुर, 26 जून (ए)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में गुरुवार तड़के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया गया है। घटनास्थल से इंसास राइफल सहित बड़ी मात्रा में नक्सली सामान बरामद हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी भी क्षेत्र में जारी है। संभावना जताई जा रही है कि मुठभेड़ में अन्य नक्सलियों को भी नुकसान पहुंचा है। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शांत होने के बाद इलाके में छानबीन की गई तो 2 महिला नक्सलियों के शव के साथ दवाएं, एक इंसास राइफल, एक 315 राइफल और नक्सली साहित्य बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अबूझमाड़ एक दुर्गम क्षेत्र है, जहां माड़ डिवीजन पर कार्रवाई नक्सलियों के लिए बड़ा झटका है। अभी कोहकामेटा थाना क्षेत्र में भी सघन अभियान चल रहा है। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जोरों पर है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का वादा किया है, इसी के तहत छत्तीसगढ़, झारखंड और इससे जुड़ी सीमाओं पर बड़ा अभियान चल रहा है। इस साल जनवरी से लेकर अभी तक 200 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया है। बीजापुर में फरवरी से मार्च तक एक बार में 28 और 31 नक्सली तक मारे गए हैं। कई बड़े ईनामी माओवादी नेता भी मारे जा चुके हैं।

भारत के स्टैंड पर ईरान हुआ खुश, जताया आभार

नई दिल्ली,26 जून (ए)। ईरान ने सैन्य हमलों के दौरान उसके साथ खड़े रहने के लिए भारत के प्रति आभार जताया. इजराइल ने उसके खिलाफ हमला किया था जबकि बाद में अमेरिका ने भी उसके परमाणु ठिकानों पर भीषण बमबारी की. ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह तेहरान का साथ देने वालों के वास्तविक और अमूल्य समर्थन की सराहना करता है. हालांकि, इसने भारत सरकार का कोई संदर्भ नहीं दिया. अमेरिका द्वारा रविवार सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के बाद ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष बढ़ गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की घोषणा की. बुधवार को युद्ध विराम लागू होता दिख रहा है. अपनी प्रतिक्रिया में नई दिल्ली ने मंगलवार को संघर्ष विराम का स्वागत किया और कहा कि वह स्थिति को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. ईरानी दूतावास ने भारत के सभी स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों जो ईरान के साथ दृढ़ता और मुखरता से खड़े हैं उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया.

रुद्रप्रयाग में अलकनंदा में गिरी तीर्थ यात्रियों की बस, 20 लोग थे सवार, 3 की मौत, 9 लापता

रुद्रप्रयाग,26 जून (ए)। उत्तराखंड में भयानक हादसा हुआ है. बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर में एक बस अलकनंदा नदी में गिर गई है. इस हादसे से हड़कंप मच गया है. बस उफनती अलकनंदा नदी में समा गई है. इस बस में 19 तीर्थ यात्री बताए जा रहे हैं. चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे. 3 यात्रियों की मौत की खबर है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस हादसे के दौरान 10 लोग छिटककर पहाड़ी पर अटक गए. 3 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है. बाकी 9 लोगों की खोजबीन जारी है. राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं. हादसा तब हुआ जब बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर के पास एक बस अनियंत्रित होकर सीधे अलकनंदा नदी में समा गई. यह गाड़ी तीर्थयात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम की ओर जा रही थी. हादसे के दौरान इसमें सवार 10 यात्री पहाड़ी पर ही छिटक गए और घायल हो गए, जबकि अन्य यात्रियों के बस के साथ नदी में जा गिरे. दुर्घटना की सूचना मिलते ही घोलतीर पुलिस चौकी से पुलिस बल और रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया. नदी का तेज बहाव राहत और बचाव कार्य में चुनौती बना हुआ है. बचाव टीम लगातार प्रयास कर रही है. स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में सहयोग किया है. हादसे के बाद से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है. रुद्रप्रयाग पुलिस ने जो बयान जारी किया है, उसके अनुसार आज सुबह लगभग 08:00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि जनपद रुद्रप्रयाग के घोलतीर के निकट स्टेट बैंक मोड़ के पास एक वाहन (बस संख्या यूके08 पीए 7444) दुर्घटनाग्रस्त होकर हाईवे से सीधे खाई में गिरकर अलकनंदा नदी में चला गया है. वाहन आज सुबह रुद्रप्रयाग से बदरीनाथ जा रहा था. इस दुर्घटना की सूचना मिलने पर जिला पुलिस, अग्निशमन टीम, एसडीआरएफ सहित तमाम रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची तथा स्थानीय व्यक्तियों द्वारा भी रेस्क्यू कार्य में सहयोग दिया गया. वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने और नदी में समाने से पहले इस वाहन में सवार कुछ व्यक्ति छिटक कर बाहर गिर गए थे. उन लोगों को रेस्क्यू टीमों द्वारा स्थानीय लोगों की मदद से ऊपर सड़क पर लाया गया. इन घायल व्यक्तियों को तत्काल जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भिजवाया गया है.

मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण हेतु लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

00 खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने की अवधि अब 5 जुलाई 2025 तक

रायपुर। खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक महानदी भवन, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर में आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर 149.25 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो राज्य गठन के पश्चात अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है।उपार्जित धान का कस्टम मिलिंग के माध्यम से त्वरित निराकरण किया जा रहा है। भारत सरकार एवं नागरिक आपूर्ति निगम से प्राप्त चावल उपार्जन लक्ष्य के अतिरिक्त लगभग 35.00 लाख मीट्रिक टन अतिशेष धान के निराकरण हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा ई-नीलामी (ई-ऑक्शन) के माध्यम से विक्रय का निर्णय लिया गया है। इस हेतु एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर नीलामी की प्रक्रिया संपादित की गई। प्रथम चरण की निविदा में प्राप्त दरों को मंत्रिमंडलीय उप समिति द्वारा 29 अप्रैल 2025 को अनुमोदित किया गया था। उक्त दरों पर लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन धान का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। शेष स्टेकों के निराकरण हेतु उच्चतम बोली लगाने वाले निविदाकारों (॥-1) एवं अन्य निविदाकारों को अनुमोदित दर पर प्राइस मेचिंग का अवसर प्रदान किया गया है, जिससे शासन द्वारा पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करते हुए अतिशेष धान का निराकरण अविलंब हो सके। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 78 संग्रहण केन्द्रों में कुल 31.48 लाख मीट्रिक टन धान का भंडारण किया गया है, जिसमें से लगभग 18.91 लाख मीट्रिक टन का निराकरण प्राइस मेचिंग एवं ऑक्शन के माध्यम से किया जा चुका है। वर्तमान में लगभग 12.57 लाख मीट्रिक टन धान का निराकरण शेष है। त्वरित उठाव सुनिश्चित करने हेतु सभी जिला विपणन अधिकारियों एवं संग्रहण केन्द्र प्रभारियों को आवश्यक निर्देश प्रसारित किए गए हैं। संग्रहण केन्द्रों में वाहनों की आवाजाही सुगम करने एवं हमालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जिससे धान का उठाव तेजी से हो और क्रेताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि निविदाकारों को एम-जंक्शन प्लेटफॉर्म पर पंजीयन उपरांत अमानत राशि जमा करने पर प्राइस मेचिंग करने का विकल्प उपलब्ध है। प्राइस मेचिंग करने की तिथि से 7 दिवस के भीतर निविदाकारों को सुरक्षा निधि के रूप में क्रय किए गए धान के कुल मूल्य की 3 प्रतिशत राशि जमा करनी होती है। तत्पश्चात निर्धारित अवधि के भीतर क्रेता को स्टेक का वास्तविक मूल्य ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म में जमा करना होता है। राशि विपणन संघ को प्राप्त होते ही क्रेता को लिफ्ट ऑर्डर जारी किया जा रहा है। उक्त अनुक्रम में आज आयोजित मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में धान के त्वरित निराकरण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐसे निविदाकार जिनके द्वारा ईआक्शन प्लेटफॉर्म में प्राइस मेचिंग के दौरान निर्धारित समय-सीमा में सुरक्षा निधि जमा नहीं किया जा सका है, अथवा धान का क्रय मूल्य समय सीमा में जमा नहीं किया गया है अथवा विलंब से जमा किया गया है, उन्हें अब 15 जुलाई 2025 तक की अंतिम समय-सीमा प्रदान की गई है। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में चावल जमा हेतु शेष मात्रा के जमा करने हेतु अवधि को बढ़ाकर 5 जुलाई 2025 कर दिया गया है। प्रदेश के राइस मिलरों में शासन द्वारा लिए गए इन निर्णयों के प्रति उत्साह देखा गया है। छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन ने इस संबंध में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल को धन्यवाद ज्ञापन भी सौंपा है। प्राइस मेचिंग के दौरान मिलरों एवं क्रेताओं को आ रही तकनीकी समस्याओं के निराकरण एवं आवश्यक मार्गदर्शन हेतु महाप्रबंधक (विपणन) की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति का गठन भी किया गया है, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। बैठक में बताया गया कि इसी अनुक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा केंद्रीय खाद्य मंत्री से भेंट कर खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान में से केंद्रीय पूल में चावल जमा करने का लक्ष्य 70 लाख मीट्रिक टन से अधिक बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। इस पर भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के हित में सकारात्मक विचार करने का आश्वासन प्रदान किया गया है। बैठक में खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले, वित्त सचिव श्री मुकेश बंसल, उद्योग सचिव श्री रजत कुमार, संचालक खाद्य, प्रबंध संचालक मार्कफेड तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

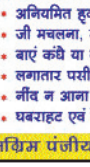

रेलवे टिकट बना अफरातफरी करते कर्मचारी गिरफ्तार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
मुखबिर की पुख्ता सूचना पर बुधवार २५ जून को रेलवे सुरक्षा बल के अपराध गुप्तचर शाखा अनूपपुर के सहायक उप निरीक्षक आर के साहू, प्रधान आरक्षक भूपेंद्र कुमार तिवारी व उनकी टीम के द्वारा शहरी रेलवे आरक्षण केंद्र बैकुंठपुर के कर्मचारी को रेल टिकटों के अवैध कारोबार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कर्मचारी के कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध रेल टिकट भी जप्त किया है हिरासत में लिए गए कर्मचारी का नाम अविनाश कुमार पिता शम्भु सिंह उम्र-३३ निवासी वार्ड नंबर १७ नवापारा सरडी चर्चा थाना चर्चा जिला कोरिया छग बताया गया है जो नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर का कर्मी है रेल टिकटों के अवैध कारोबार में शामिल कर्मचारी अविनाश कुमार ने पूछताछ में बताया कि संजय कुमार विश्वकर्मा निवासी अम्बिकापुर के कहने पर रेलवे का टिकट बनाता हूं। संजय कुमार विश्वकर्मा हमेशा,बनारस,मुंबई, हावड़ा, दिल्ली, चेन्नई आदि बड़े जगहों की टिकट बनवाता था,जिसके एवज में उसे अच्छी खासी मोटी रकम भी देता था,सूत्रों की माने तो रेलवे आरक्षित टिकट का खेल मुंबई हावड़ा दिल्ली चेन्नई में बैठे लोग चला रहे।उक्त मामले के उद्भेदन में मुख्य भूमिका उपनिरीक्षक आर के साहू प्रधान आरक्षक भूपेन्द्र कुमार तिवारी की रही।बता दे कि रेलवे आरक्षण को लेकर आरक्षण केंद्रों में हर वक्त लंबी लंबी कतार लगी होती है समय पर आरक्षण नहीं मिलने से लोगों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है वही रेल टिकटों का अवैध करोबार करने वाले दलाल आरक्षण केंद्रों के कर्मचारियों से मिलीभगत कर मोटी रकम कमाते है। रेल पुलिस ने मामले में आरोपी कर्मी के खिलाफ रेल अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही की है।

केतकी सम्मान 2025 के लिए संध्या त्रिपाठी नामित

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी के कस्बे मोहम्मदी में कथाकुंज

साहित्य सेवा परिषद जो भारत की प्रतिष्ठित संस्था है के द्वारा ,अंतरराष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन आगामी ७ अक्तूबर को किया जावेगा। आयोजन में शामिल प्रतिनिधियों को क्रमशः केतकी साहित्य रत्न सम्मान २०२५(महिला) व गोमती साहित्य रत्न सम्मान २०२५ (पुरुष) को प्रदान किया जाता है। विगत ३ वर्षों में ५० से अधिक साहित्यकार इस सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं,नवोदित से वरिष्ठ तक सभी चयनित को यह सम्मान प्रदान किया जाता है कोयलांचल बिश्रामपुर की संध्या त्रिपाठी को इस वर्ष केतकी सम्मान के लिए नामित किया गया है। संस्था अध्यक्ष गोविंद गुप्त ने बताया कि इस वर्ष भी पूरे देश से साहित्यकारों का चयन किया गया है,जिसमें देश विदेश के २१ साहित्य प्रतिभाओं को सम्मान के लिए नामित किया गया है। इस वर्ष कार्यक्रम प्रोफेसर सुदीप कुमार की स्मृति में आयोजित है जो कथाकुंज के संरक्षक थे।

सड़क पार कर रही बुजुर्ग महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
नगर पंचायत शिवनन्दनपुर निवासी ७० वर्षीय बुजुर्ग महिला विमला

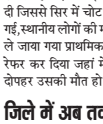

देवी की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बताया गया कि वृद्ध महिला विमला देवी पति स्व मन बहादुर शाही मंदिर से पूजा कर अपने घर को लौट रही थी इसी दौरान मित्तल कलेक्शन के सामने फौजी गली समीप सड़क पार कर रही थी, इसी दौरान तेज गति से बस स्टैंड की तरफ से आ रहे अज्ञात बाइक चालक ने बुजुर्ग महिला को सीधे टक्कर मार दी जिससे सिर में चोट लगने से वृद्धा अचेत होकर सड़क पर ही गिर गई,स्थानीय लोगों की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिश्रामपुर ले जाया गया प्राथमिक उपचार पश्चात चिकित्सकों ने उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया जहां मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान बुधवार दोपहर उसकी मौत हो गई।

जिले में अब तक 95.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)। भू अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में २४ घण्टे के दौरान १२.१ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक ३०.५ मि.मी. वर्षा तहसील सीतापुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में १ जून से अब तक ९५.७ मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि ०१ जून २०२५ से २६ जून २०२५ तक अम्बिकापुर में १०२.९, दरिमा में ५७.०,।

नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम के हमले से घायल जवान ने बताया हमला कैसे हुआ

जगदलपुर। बीजापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पदेड़ा के साप्ताहिक बाजार में सोमवार को आत्मसमर्पित नक्सली से डीआरजी में आरक्षक पद पर कार्यरत संतु पोटाम पर नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने द्वारा धारदार हथियार से प्राण घातक हमला कर दिया था । इस हमले में आरक्षक संतु पोटाम गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे नक्सलियों ने मरा समझकर उसे छोड़कर चले गए, इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए जवान ने हमलावर नक्सलियों में एक को पहचानने की बात कही है,

आस-पास

कलेक्टर ने पीएम जनमन अंतर्गत बहुउद्देशीय केंद्र निर्माण सहित विभिन्न कार्यों का किया निरीक्षण

विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को मिलेगा सामाजिक विकास का नया आधार

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शासन द्वारा पीएम जनमन अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय को मुख्य धारा से जोड़ने कई पहल किए जा रहे हैं, जहां वनांचलों में बसे विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय परिवारों तक शासकीय योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।
योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी के द्वारा विकासखंड शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत पौड़ीखुर्द अमाकोना बसाहट में पीएम जनमन अन्तर्गत निर्माणाधीन बहुउद्देशीय केंद्र का निरीक्षण किया गया। जिसके अंतर्गत एक ही परिसर में माइक्रो हेल्थ सेंटर, आंगनबाड़ी केंद्र एवं सामुदायिक भवन की सुविधा मिलेगी। इससे बसाहट में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय के लगभग ३५ परिवार लाभान्वित होंगे। इससे स्थानीय निवासियों के जीवन को एक नई

दिशा मिलेगी। बहुउद्देशीय केन्द्र माध्यम से स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों को एक स्थान पर समेकित कर सेवा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। माइक्रो हेल्थ सेंटर से जनजातीय परिवारों को बुनियादी प्राथमिक उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण और नियमित जांच की व्यवस्था होगी। आंगनबाड़ी केंद्र से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं मातृ देखभाल की सुविधाएं तथा सामुदायिक भवन जहां आजीविका से जुड़े कार्यक्रम, समूह बैठकों व अन्य सामाजिक आयोजनों की व्यवस्था हो पाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने निर्माण स्थल पर मौजूद अधिकारियों एवं ठेकेदारों को गुणवतायुक्त कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह केंद्र विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों के सामाजिक, शैक्षणिक और आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए बहुउद्देशीय केंद्र महत्वपूर्ण साधन बनेगा, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की नियमित रूप से निगरानी की जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप दूरस्थ वंचित समुदायों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है और इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए।
कलेक्टर ने प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास का निर्माण कार्य का लिया जायजा
कलेक्टर श्री कटारा ने शैक्षणिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए निर्माणाधीन प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास डीपाडीहकला का निरीक्षण किया। ५० सीटर बनने वाले छात्रावास से बच्चों को काफी सुविधा होगी।
कलेक्टर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, भवन की संरचना तथा सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा समय पर मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह छात्रावास भवन बच्चों के रहने, पढ़ने और मानसिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगा। ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों से आने वाले बच्चों को इससे काफी सुविधा मिलेगी, जिससे बच्चों का विद्यालयीन जीवन अधिक सुचारू और सुरक्षित हो सकेगा।
आईटीआई एवं बीआईटीआई भवन का किया निरीक्षण
कलेक्टर श्री कटारा ने कुसमी विकासखण्ड अंतर्गत पूर्व निर्मित आईटीआई भवन एवं एवं निर्माणाधीन बीआईटीआई भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने आईटीआई भवन का अवलोकन करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। साथ ही उन्होंने निर्माणाधीन भवन का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द भवन को निर्धारित मानकों के अनुसार पूर्ण करें।

पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एंड मैनेजमेंट कैम्पस में बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
पार्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट कैम्पस मदनपुर, सिलफिली, जिला सूरजपुर में सत्र-२०२४-२५, दिनांक-२६/०६/२०२५ दिन गुरूवार को बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों द्वारा बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संस्थापक श्री अशोक नाथ तिवारी, अध्यक्ष श्री प्रमेन्द्र तिवारी, डायरेक्टर श्री नरेन्द्र सिंह टुटेजा, श्री राकेश तिवारी (सी.ए.ओ.) एवं प्रभारी प्राचार्य श्रीमती प्रीति सोनी के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

गया। कार्यक्रम में चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के द्वारा अपने अनुभव और बी.एड. प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। महाविद्यालय के संस्था के अध्यक्ष सह चेयरमेन श्री प्रमेन्द्र तिवारी के द्वारा बी.एड. के महत्ता के बारे में बताया गया और चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों को उनके जीवन में संयम और अनुशासन बनाये रखते हुए आगे बढ़ते रहने तथा किसी भी कार्य को पूरी ईमानदारी एवं कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ करने की बात कही। कार्यक्रम में वर्षभर की गतिविधियों के लिए पुरस्कार वितरण भी किया गया। दो वर्ष के शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षार्थी का पुरस्कार गायत्री सोनपाकर, बेस्ट रासेयो स्वयंसेवक के रूप में राजदेव सिंह, बेस्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम खुशबू कुशवाहा, बेस्ट लाइब्रेरी में मेघा चौहान, प्लेयर ऑफ दी ईयर दिव्यानी दुबे, बेस्ट अनुशासन के रूप में संजीवन बड़ा आदि को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी शिक्षकों ने अपना आशीर्वचन प्रदान किया कार्यक्रम में बी.एड. के श्रीमती प्रीति सोनी (प्रभारी प्राचार्य), सहा. प्राध्यापक -श्रीमती जयमाला सिंह, श्री. उपेन्द्र कुमार रवि, श्री. संतोष कुमार रानाडे, श्री. अरूण कुमार दुबे, श्रीमती प्रियांशु यादव, श्रीमती अपराजिता कैवर्त्य, श्रीमती निशा गुप्ता, श्रीमती सुनीता राज, श्रीमती कंचन सिंह, श्रीमती नित्या तिग्गा बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर एवं द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया डीपाडीह पुरातात्विक स्थल का अवलोकन

बलरामपुर, (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक बाजपेयी

ने ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल सामत सरना, डीपाडीह का अवलोकन किया। कलेक्टर ने इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हुए कहा कि स्थल के समुचित विकास हेतु समन्वित एवं बेहतर कार्य दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। इस दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने मंदिर परिसर, प्राचीन मूर्तियों, स्थापत्य अवशेषों, शिलालेखों और प्राकृतिक भू-भागों का अवलोकन किया। उन्होंने परिसर की सफाई, आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि पुरातात्विक अवशेषों को नुकसान से बचाने हेतु प्राकृतिक अवरोधों को हटाया जाए। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से यहां अनेक संभावनाएं है। सामंत सरना एक पुरातात्विक एवं धार्मिक स्थल है। साथ ही यह स्थानीय लोगों के लिए आजीविका का केंद्र भी बन सकता है। इसके लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा। इस दौरान उन्होंने रानी तालाब के सौंदर्यीकरण की बात भी कही।

अधिवक्ता डॉ डी के सोनी को मिला बेस्ट कंट्रीब्यूशन इन एंटी करप्शन एंड पब्लिक अकाउंटेबिलिटी का अवार्ड

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
राजस्थान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चंद बरवा एवं शिल्पा कटरेला अध्यक्ष इंडो अमरीकन चेंबर ऑफ कॉमर्स के करकमलों से डॉ डी के सोनी अधिवक्ता को बेस्ट कंट्रीब्यूशन इन एंटी करप्शन एंड पब्लिक अकाउंटेबिलिटी का अवार्ड दिया गया।
सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता डॉ डी०के० सोनी के द्वारा हमेशा न्याय में देरी, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न क्षेत्रों में समाज सेवा हेतु अनेक उत्कृष्ट कार्य किए जाते रहे हैं। डॉ डी०के० सोनी आम जन के लिए न्याय व्यवस्था को सुरक्ष, सुगम और शीघ्र न्याय प्रदान करने हेतु अपनी संस्था सरगुजा सोसाइटी फॉर फास्ट जस्टिस के माध्यम से हमेशा जमीनी स्तर पर एवं आरटीआई के माध्यम से स्थिति स्पष्ट कर माननीय उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक सफल और निर्णायक कानूनी लड़ाई भी लड़ते रहते हैं। डॉ डी.के. सोनी द्वारा सरकारी विभागों में हो रहे भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को लेकर अनेकों मामले उठाते रहे

हैं, भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुलासा कर दस्तावेजों के आधार पर कार्यवाही कराकर कई भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों के विरुद्ध अपराध भी पंजीबद्ध कराया गया है।
केज ब्रेन प्राइवेट लिमिटेड के चयन समिति द्वारा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक एवं कानूनी स्तर पर तथा व्यापार, उद्योग में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का भी चयन किया गया जिसमें सरगुजा एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीआई एवं अन्य कानून के माध्यम से लगातार सामाजिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अंबिकापुर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता डॉ डी के सोनी को भारत के अन्य राज्यों से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं और कई बिजनेसमैन के समक्ष होटल रेडिशन ब्लू जयपुर में दिनाक १३/६/२५ दिन शुक्रवार को राजस्थान के उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चंद बरवा एवं शिल्पा कटरेला अध्यक्ष इंडो अमरीकन चेंबर ऑफ कॉमर्स के कर कमलों से बेस्ट कंट्रीब्यूशन इन एंटी कॉप्शन एंड पब्लिक अकाउंटेबिलिटी का अवार्ड दिया गया। राजस्थान की राजधानी जयपुर में उक्त कार्यक्रम में भारत देश के अलग अलग प्रदेशो से अलग अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ साथ बिजनेश मेन भी उपस्थित थे.

कैकेयी में शक्ति, निष्ठा और मातृत्व भाव जैसे गुण थे, लेकिन उन्हें अक्सर उनकी महत्वाकांक्षा के लिए ही याद किया जाता है

— सोनी सब के वीर हनुमान में रानी कैकेयी की भूमिका निभा रहीं हुनर हाली गांधी

मुंबई। सोनी सब के पौराणिक धारावाहिक च्वीर हनुमानज्ञ में रानी कैकेयी की भूमिका निभा रहीं हुनर हाली गांधी को उनकी प्रभावशाली और भावनात्मक प्रस्तुति के लिए दर्शकों से भरपूर सराहना मिल रही है। अपने अभिनय में संवेदनशीलता और गरिमा लाने के लिए जानी जाने वाली हुनर ने इस किरदार को एक नई गहराई दी है, जिसे अक्सर सिर्फ एक निर्णायक फैसले के लिए याद किया जाता है। 'वीर हनुमान' भगवान हनुमान के बाल्यकाल की यात्रा को दर्शाता है।
इस स्पष्ट और भावनात्मक बातचीत में हुनर ने रानी कैकेयी की भूमिका, उनके दृष्टिकोण और हनुमान जी के मूल्यों के प्रति अपने समर्पण को साझा किया।

जब आपको रानी कैकेयी की भूमिका का प्रस्ताव मिला तो आपकी प्रतिक्रिया क्या थी?
मैं बेहद उत्साहित थी! चार साल पहले देवी रुक्मिणी का किरदार निभाने के बाद से मैं पौराणिक शैली में वापसी की उम्मीद कर रही थी, और 'वीर हनुमान' में रानी कैकेयी का किरदार मेरे लिए बिल्कुल सही समय पर आया। काम का माहौल बहुत सहयोगात्मक और पेशेवर है—यह किसी खास यात्रा का हिस्सा बनने जैसा अनुभव है।
इस किरदार को निभाने में सबसे कठिन और सबसे संतोषजनक पहलू क्या रहे?
यह किरदार बारीकियों से भरा है। भारी गहने, विग, मुकुट और विस्तृत परिधान पहनकर गर्मी में शूट करना शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। फिर भी मैं ये सब मुस्कान के साथ करती हूं, क्योंकि असली इनाम दर्शकों की भावनात्मक प्रतिक्रिया है। जब लोग आपके किरदार से जुड़ते हैं, तो सारी मेहनत सार्थक लगती है।
आपने कैकेयी जैसी प्रतिष्ठित और जटिल पौराणिक चरित्र के लिए किस प्रकार तैयारी की?
पौराणिक किरदारों में ठहराव, गरिमा और वाणी व भाव-भंगिमा में शुद्धता की आवश्यकता होती है। कैकेयी एक योद्धा रानी थीं, इसलिए फिटनेस और आत्म-नियंत्रण बेहद जरूरी था। मैंने उनके भावनात्मक पक्ष पर विशेष ध्यान दिया—उनकी भक्ति, राजसी के प्रति प्रेम, और उनके भीतर का द्वंद्व। लोग कैकेयी को अक्सर एक ही निर्णय से आंकते हैं, लेकिन वह सिर्फ एक पक्ष है। वह एक

साहसी और स्नेही माँ भी थीं। एक मां और रानी के रूप में कैकेयी की नीयत और निर्णयों से आप किस हद तक भावनात्मक रूप से जुड़ती हैं?
पूरी तरह से। मेरे लिए यह बात सबसे ज्यादा मायने रखती है कि जीवन में अक्सर हमें एक गलती के लिए आंका जाता है, बाकी सारे अच्छे काम भूल जाते हैं। यही कैकेयी के साथ हुआ। उनकी शक्ति, निष्ठा और मातृत्व जैसे गुणों के बावजूद लोग उन्हें केवल उनकी महत्वाकांक्षा से जोड़ते हैं। 'वीर हनुमान' में उनका कोमल पक्ष दिखाया गया है। मेरे और बाल राम के दृश्य सच्चे स्नेह और गर्मजोशी से भरे हैं, जिससे कैकेयी को एक बहुआयामी माँ और स्त्री के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर मिला।
पौराणिक धारावाहिकों में वेशभूषा, भाषा और सेटअप बेहद भव्य होते हैं। पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?
मैं सचमुच अभिभूत थी। खुद माँ न होने के बावजूद भगवान राम की माँ की भूमिका निभाना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक रहा। यही तो अभिनय की खूबसूरती है—यह आपको वह अनुभव जीने का मौका देता है जो शायद असल जीवन में न मिले। कैकेयी की वेशभूषा और आभा ने पहले दिन से मुझे आत्मविश्वास और जुड़ाव का एहसास दिलाया।
शो में भगवान हनुमान की वीरता, शक्ति और भक्ति को प्रमुखता दी गई है। इनमें से कौन सी बात आपको सबसे अधिक प्रभावित करती है?
हनुमान जी निष्ठा, निस्वार्थता और विनम्रता का प्रतीक हैं। आज के समय में ये मूल्य कहीं खोते जा रहे हैं। भरोसा बहुत नाजुक हो गया है—मैंने अपनी जिंदगी में कुछ करीबी रिश्तों को टूटते देखा है। इसलिए मेरे लिए ईमानदारी और निष्ठा बहुत मायने रखती है। हनुमान जी हमें ये सिखाते हैं कि बिना अहंकार के सेवा और सच्चे रिश्तों में कितनी शक्ति होती है।
आपने हाल ही में शूटिंग शुरू की है। अपने सह-कलाकारों के साथ आपका रिश्ता कैसा बन रहा है?
बाल राम की भूमिका निभा रहे तन्मय ऋषि बेहद प्यारे और समझदार हैं। ऑन-स्क्रीन संबंध को बेहतर बनाने के लिए मैंने उनकी अपनी माँ से रिश्ते को समझने की कोशिश की, और उन्होंने भी बड़ी मदद की। उनकी प्रोफेशनल अप्रोच इतनी छोटी उम्र में काबिल-ए-तारीफ है। मैं कोशिश करती हूं कि सभी को मुस्कान के साथ ग्रीट करूं और एक सकारात्मक दिन की शुरूआत करूं।
दर्शक च्वीर हनुमानज्ञ के आने वाले एपिसोड्स से क्या उम्मीद कर सकते हैं?
अयोध्या ट्रैक के साथ अब दर्शकों को भगवान राम और हनुमान जी के बीच अटूट संबंध देखने को मिलेगा। यह शो निष्ठा, साहस, भक्ति और आंतरिक द्वंद्व जैसे विषयों को दर्शाता है। यह एक आध्यात्मिक और भावनात्मक यात्रा है, जो दर्शकों को प्रेरणा और जुड़ाव दोनों देती है।

छोटी खबरें

आपातकाल की 50वीं बरसी पर भाजपाइयों ने मनाया काला दिवस

कोरिया बैकुण्ठपुर – आपातकाल की ५०वीं बरसी पर भाजपाईयों ने मानस भवन में काला दिवस मनाया। इस अवसर पर अतिथियों ने भारत माता, डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पं.दीनदयाल उपाध्याय जी के छाया चित्र पर द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि, देश में आपातकाल लगाने की घोषणा तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने २५ जून १९७५ की देर रात आकाशवाणी पर एक प्रसारण में की थी, इससे कुछ घंटों पहले, सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा सदस्य के रूप में इंदिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित करने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सशर्त रोक लगा दी थी, सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा गांधी से कहा था कि, वह संसदीय कार्यवाही से दूर रहें। हालांकि, उन्होंने कुछ और ही सोच रखा था यह आपातकाल देश में २५ जून १९७५ से २१ मार्च १९७७ तक की २१ महीने की अवधि के लिए आपातकाल लागू था, तत्कालीन राष्ट्रपति फखरूदीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद ३५२ के तहत देश में आपातकाल की घोषणा की थी, संविधान के अनुच्छेद ३५२ के अनुसार, राष्ट्रपति देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा चाहे वह युद्ध या बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से होने पर आपातकाल की घोषणा। जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि, आज २५ जून है, जो लोग इस देश के संविधान की गरिमा के प्रति समर्पित है, जो लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं पर निष्ठा रखते है, उनके लिए २५ जून ना भूलने वाला दिवस है, २५ जून को भारत के लोकतंत्र पर जो काला धब्बा लगा था, उसके ५० वर्ष हो रहे है, भारत के नई पीढ़ी इस बात को कभी नहीं भूलेगी कि, उस समय कैसे देश के संविधान को पूरी तरह नकार दिया गया था। देश को जेल खाना बना दिया गया था और लोकतंत्र की हत्या कर दी गई। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसावल ने कहा कि, २५ जून को देश में आपातकाल के ५० साल पूरे हो रहे हैं, बीजेपी आपातकाल की ५०वीं बरसी को ज्संविधान हत्या दिवसज्के रूप में मना रही है। उन्होंने कहा कि, कार्यक्रम का मकसद है कि नई पीढ़ी को आपातकाल के काले अध्याय से अवगत करा सकें और उन्हें बताया जाए कि कैसे आम लोगों के अधिकार छीन लिए गए थे। कार्यक्रम में प्रदर्शनी के माध्यम से भी आपातकाल के काले अध्याय को दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। मीसाबंदी प्रेमनारायण तर्किहार ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उस समय एक साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उनके जैसे लाखो समर्पित स्वयं सेवको ने रातो रात रेलों में पर्चे बांटे, संदेश पहुंचाए और कांग्रेस की सच्चाई हर गांव और गली तक पहुंचाई। कांग्रेस की तानाशाही का विरोध केवल राजनीतिक नहीं था, यह भारत की आत्मा की रक्षा का आंदोलन था जिसमें राष्ट्रवादियों ने जान की बाजी लगाई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, बसंत राय, अशोक जायसवाल, चुन्नी पैकरा, रविशंकर राजवाड़े, अनिल साहू, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, कपिल जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष आशादेवी सोनपाकर, जिला मंत्री शिव कुमारी सोनपाकर, सुनिता कर्रें, ईश्वर राजवाड़े, कार्यक्रम संयोजक शारदा गुप्ता, प्रदीप तिवारी, कृष्णावती यादव, जिला कोषाध्यक्ष रामकृष्ण शर्मा, सह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चक्रधारी, जिला कार्यालय मंत्री मंजू जिवनानी, जिला मीडिया प्रभारी तीरथ राजवाड़े, सह प्रभारी गणेश यादव, वर्षा साहू, सोशल मीडिया प्रभारी जगनारायण साहू, राकेश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष मैनेजर राजवाड़े, सुरेश सिरदार, मुन्नाराम चक्रधारी, सचिन मलिक, रीता यादव, रमन गुप्ता, रवि त्रिपाठी, संजय चिकनजूरी, सुभाष साहू, राकेश पैकरा, रामलखन यादव, सच्चिदानंद द्विवेदी, दिनेश यादव, राजाराम राजवाड़े, मनोज साहू, धर्मवती राजवाड़े, संगीता गुप्ता, रमेश तिवारी, हितेश सिंह सहित पार्टी कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

एनकेएच के नि:शुल्क शिविर में 100 से ज्यादा मरीजों को लाभ

कोरबा अम्बिकावाणी – एनकेएच सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कोरबा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। यह शिविर सुबह ११ बजे से दोपहर २ बजे तक कोसाबाड़ी क्षेत्र स्थित अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया था। शिविर में १०० से ज्यादा जरूरतमंद लोगों ने नाक, कान, गला, आंख, दांत और बहरापन (बधिरता) की जांच उन्नत मशीनों से कराई। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सभी को चिकित्सा परामर्श दिया। बधिरता की जांच के बाद श्रवण यंत्र की आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को विशेष छूट के साथ श्रवण यंत्र दिए गए। शिविर में जांच के लिए पहुंचे लोगों ने एनकेएच हॉस्पिटल के शिविर आयोजन को सराहा। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि चिकित्सकों की पूरी टीम ने तल्लीनता से मरीजों की बीमारी की उन्नत मशीनों से जांच की और उचित चिकित्सा परामर्श दिया। इस निःशुल्क शिविर का लाभ निश्चित ही लोगों को मिला है, जहां १०० से जायदा लोग ने इलाज कराया।

सफल रहा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, अगला शिविर १ जुलाई को डॉ.चंदानी एनकेएच ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि हमारा उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं जो अपनी बीमारी की जांच उन्नत मशीनों से कराने में हिचकिचाते हैं क्योंकि वह उन्हें महंगी लगती है। हमने शिविर के माध्यम से लोगों की स्वास्थ्य जांच का बीड़ा उठाया है जो निरंतर जारी रहेगा, ताकि इसका लाभ वंचित वर्ग के लोग भी उठा सकें एवं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी रहें। अगला निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन १ जुलाई डॉक्टर दिवस के दिन रखा गया है। उन्होंने इस शिविर में अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर स्वास्थ्य की जांच कराने की अपील नगरजनों से की है।

पत्रकार सुरक्षा कानून की पुनः बहाली की मांग तेज – श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरविंद अवस्थी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कोरिया रायपुर – छत्तीसगढ़ में पत्रकारों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमले, धमकियाँ, फर्जी मुकदमों में फंसाने की घटनाएँ और प्रशासनिक उत्पीड़न के बीच छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी ने राज्य सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग की है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में गठित पत्रकार सुरक्षा कानून समिति को पुनः सक्रिय करने तथा इस दिशा में ठोस कार्यवाही करने की मांग की है।

पत्रकारों की स्थिति चिंताजनक है – प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगातार यह सूचनाएं सामने आ रही हैं कि पत्रकारों को उनकी रिपोर्टिंग के कारण जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे पत्रकारों को खासतौर पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जहाँ एक ओर वे सीमित संसाधनों में जनहित की खबरें जनता और शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें धमकियाँ, सामाजिक बहिष्कार, और कई बार शारीरिक हमले जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में प्रदेश के कुछ हिस्सों में पत्रकारों पर झूठे मामले दर्ज किए जाने की घटनाओं ने मीडिया जगत में आक्रोश और असुरक्षा की भावना को जन्म दिया है। ऐसी परिस्थितियों में पत्रकारिता जैसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को सुरक्षित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। **पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता** – अरविंद अवस्थी ने बताया कि पत्रकार सुरक्षा कानून सिर्फ पत्रकारों के हित में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि अगर पत्रकार सुरक्षित नहीं रहेंगे तो ऐसी स्थिति में निष्पक्ष पत्रकारिता असंभव सा प्रतीत होता है।

धोखे से बुलवाकर बोलेरो चालक की हत्या- पहचान छिपाने की नीयत से रची गई थी क्रूर साजिश, तीनों आरोपी दोषसिद्ध, परिजनों ने जताया आभार

कोरबा अम्बिकावाणी – करतला थाना क्षेत्र में बोलेरो चालक की हत्या के बहुचर्चित प्रकरण में न्यायालय ने तीनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२, २०१ और १२०-बी के तहत सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में शासन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने प्रभावशाली पैरवी की, वहीं तत्कालीन थाना प्रभारी प्रमोद डडसेना की गहन विवेचना व पुख्ता साक्ष्य संकलन से न्यायालय के समक्ष मजबूत केस प्रस्तुत किया गया। मृतक अमित कुमार साहू (३५ वर्ष), निवासी नवाडीह सेंदरीपाली, बोलेरो वाहन चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। १४ फरवरी २०२४ की रात एक फर्जी बुकिंग कॉल पर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के बहाने उसे बुलवाया गया था। इसके बाद वह लौटकर नहीं आया। अगली सुबह उसकी सिर कुचली और वाहन से कुचली हुई लाश ग्राम औरई के जंगल में बरामद हुई। मृतक के भाई अजय प्रकाश साहू की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध हत्या का अपराध दर्ज किया गया। एसपी सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीमों ने साइबर सेल, फॉरेंसिक व डॉग स्क्वाड की सहायता से सघन जांच की। विवेचना में खुलासा हुआ कि लूट व फिरौती के इरादे से बुलवाया गया अमित आरोपियों को पहचान गया था, इसलिए उसकी निर्मम हत्या की गई। राजेश लहरे, हेमलाल दिव्य उर्फ कुशवा एवं पवन कंवर तीनों नवाडीह सेंदरीपाली निवासी को पहचान परेड व साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। न्यायालय ने इस जघन्य अपराध को गंभीर मानते हुए तीनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

परिजनों ने दोषियों को सजा मिलने पर संतोष व्यक्त करते हुए न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन और अभियोजन पक्ष के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि न्याय मिलने से पीड़ित परिवार को राहत मिली है और उनके मन में व्यवस्था के प्रति विश्वास और दृढ़ हुआ है।

कोरिया जिले की बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर चेंबर ऑफ कॉमर्स कोरिया ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

(व्यवसायिक गतिविधियां ठप, जनता त्रस्त , तत्काल सुधार की मांग)

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले की जर्जर और अव्यवस्थित विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को लेकर छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, बैकुंठपुर इकाई ने २६ जून को कलेक्टर कोरिया को एक ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की है।समस्त विषय पर कलेक्टर महोदया ने गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए इस संबंध में ठोस कदम उठाने की बात कही है। चेंबर ने अपने ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जिला मुख्यालय बैकुंठपुर सहित समस्त नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की लगातार हो रही अनियमित आपूर्ति के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। साथ ही, होटल, डेयरी, बेकरी, सर्विस सेंटर और अन्य लघु एवं मध्यम उद्योगों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। चेंबर ने आरोप लगाया है कि बिजली विभाग द्वारा समय-समय पर मेंटेनेंस के नाम पर पूर्व सूचना देकर दिनभर की कटौती की जाती है, परंतु उसके बाद भी हल्की हवा या बारिश होते ही विद्युत आपूर्ति बंद कर दी जाती है, जिससे व्यापारी वर्ग और आम जनता में गहरा असंतोष व्याप्त है।

प्रमुख मांगें : विभागीय कार्यों की गुणवत्ता की जांच कराई जाए प्रयोग की जा रही सामग्री की भी तकनीकी स्तर पर समीक्षा हो विद्युत आपूर्ति को स्थाई और व्यवस्थित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं ।एवं पुराने और खराब हो चुके तारों एवं खंभो को बदलने की प्रक्रिया के साथ साथ ट्रांसफार्मर इत्यादि को भी बढ़ाया जाए। कलेक्टर कोरिया को ज्ञापन देने के लिए प्रमुख रूप से चेंबर के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें अजय गुप्ता (प्रदेश उपाध्यक्ष), शैलेन्द्र शर्मा (प्रदेश मंत्री), शारदा प्रसाद गुप्ता (जिलाध्यक्ष) हिमांशु अवस्थी, रविकांत गुप्ता, प्रवीण जायसवाल, आस्तिक शुक्ला, अनुराग दुबे, प्रकाश जायसवाल, ओम प्रकाश केवलानी, जयश्री मार्ट साहू, गिरिजा शंकर पांडेय, उमेर अहमद, आलोक शर्मा एवं चेंबर के अन्य सदस्यगण शामिल थे। चेंबर के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र ही इस समस्या पर गंभीर पहल नहीं हुई तो व्यापारी वर्ग जन आंदोलन के लिए होगा।

अनन्तिम मूल्यांकन पत्रक जारी दावा-आपत्ति 04 जुलाई तक आमंत्रित

कोरबा अम्बिकावाणी – कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना कटघोरा के आंगनबाड़ी एवं पालना केन्द्र में कार्यकर्ता व सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन मंगाये गये थे। आवेदन पत्रों के जांच एवं परीक्षण उपरांत अनन्तिम मूल्याकन पत्रक जारी किया गया है। मूल्यांकन पत्रक पर दावा आपत्ति ०४ जुलाई तक आमंत्रित किया गया है। दावा आपत्ति कार्यालयीन दिवस पर प्रातः १०.३० बजे से शाम ०५ बजे तक परियोजना कार्यालय कटघोरा में जमा किया जा सकता है। मूल्यांकन पत्रक परियोजना कार्यालय कटघोरा तथा जनपद पंचायत कटघोरा, नगर पालिका परिषद कटघोरा एवं दीपका के सूचना पटल पर देखे जा सकते हैं। दावा आपत्ति में नवीन दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जोनो से बिछाई जा रही डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन को पानी टंकी से सर्वे कर कनेक्ट करें ताकि व्यवस्थित जलापूर्ति शीघ्र की जा सके

रायपुर। नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम मुख्यालय में प्रभारी अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटीक एवं अधीक्षण अभियंता संजय बागडे ने सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता बद्री चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता जल श्री नरसिंह फरेन्द्र की उपस्थिति में सभी जोनो के जल विभाग के सहायक अभियंताओ और उपअभियंताओं की उपस्थिति में बैठक लेकर जल कार्य विभाग की कार्य समीक्षा करते हुए अभियंताओं को आवश्यक निर्देश दिये।

प्रभारी अपर आयुक्त ने निर्देषित किया कि जलविभाग के अभियंतागण स्वीकृति अनुसार योजना में विभिन्न जोनो द्वारा बिछाई जा रही डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन को सर्वे के बाद पानी टंकी से कनेक्ट करें ताकि शीघ्र नागरिको को सुव्यवस्थित जलापूर्ति की जा सके। जलापूर्ति करने के बाद उक्त क्षेत्रो को शीघ्र टैंकर मुक्त क्षेत्र घोषित करने की प्रशासनिक तैयारियां करे। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं के निर्देषित किया है कि नालियों के भीतर गई पाईप लाईनो को तत्काल सुरक्षित रूप से शिफ्ट करें और इसके साथ ही जोनो की टीमें जहां भी पाईप लाईन लीकेज मिले उन्हें तत्काल प्राथमिकता से सुधारने का कार्य करवाये। शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुगम तरीके से करवाना सुनिश्चित किया जाये। प्रभारी अपर आयुक्त ने अभियंताओ को नगर निगम क्षेत्र में पावरपंपो और हैण्डपंपो को डिसइंफेक्शन कार्य दिये गये निदेर्शानुसार 3 चरणों में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने वर्तमान में चल रहे पेयजल टैंकरो की जोनवार जानकारी ली एवं टैंकरो से जलआपूर्ति कार्य करने पर नागरिको को गर्मी में पेयजल उपलब्ध कराने मिली सहायता के संदर्भ में जानकारी ली। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं से इस पर प्रतिवेदन देने कहा कि इस वर्ष नलकूप खनन कार्य करवाने के बाद उक्त क्षेत्र में नागरिको के पेयजल की समस्या को दूर करने में कितना सहयोग मिला इस हेतु उन्होने प्रमाणिक और सत्यापित जानकारी देने के निर्देश दिये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने मानसून में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की तैयारियों की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। निर्देश दिये गये कि कही भी चेम्बर खुले हुए या टूटे फुटे हो उन्हें तत्काल ढक्कन लगाकर ढक देवे अन्यथा कार्य होने पर बंद करवा दें और टूटे फुटे चेम्बरो में आवश्यक व्यवहारिक सुधार और मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से जोन से करवाये। प्रभारी अपर आयुक्त और अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओ को बारिष में शुद्ध पेयजल आपूर्ति राजधानी शहर में करने सभी आवश्यक तैयारियां प्राथमिकता से करने निर्देषित किया है।

वैश्विक दृष्टिकोण से आईपी आर महत्वपूर्ण : प्रो व्यास

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय एवं विवेकानंद महाविद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला का समापन एक सूत्र वाक्य इनोवेशन और आईपीआर में गहरा संबंध के साथ समाप्त हो गया। इस अवसर पर सीजी कॉस्ट के वैज्ञानिक अमित दुबे एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रभारी कुल सचिव प्रो अंबर व्यास तथा महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी व विवेकानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा की विशेष उपस्थिति रही । समापन सत्र के पूर्व अंतिम व्याख्यान में सीजी कॉस्ट के वैज्ञानिक अमित दुबे ने आईपीआर को आम लोगों के जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण पहलू बताया उन्होंने कहा कि जहां पर कोई क्रियात्मकता नहीं है वहां पर आईपीआर नहीं है जहां क्रियात्मकता है वहां पर आईपीआर की मौजूदगी है उनका कहना था कि छोटी समस्या का तकनीकी समाधान को इनोवेशन के रूप में देखा जाता है इसी परिपेक्ष में इनोवेशन क्या होते हैं ? उनके महत्व क्या है ? और किस लिए किए जाते हैं ? यह भी सभी स्तर पर समझने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक अमित दुबे ने अपनी बातों का व्यख्या करते हुए यह बताया कि नए विचार नई सोच का रजिस्ट्रेशन ही आईपीआर से गहरा संबंध जोड़ता है उन्होंने कोलकाता के रसगुल्ला से लेकर उड़ीसा के रसगुल्ला में फर्क बताकर पेटेंट कराने की बातों को भी स्पष्ट किया कि क्यों दोनों को पेटेंट किया गया। उन्होंने बल्ब के आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन की उदाहरण से यह बताने की कोशिश की कि किस तरह से इनोवेशन और आईपीआर में संबंध है। वैज्ञानिक अमित दुबे ने अपने सीमित और संक्षिप्त व्याख्यान में आईपीआर से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी जो तकनीकी तौर पर और वैधानिकता को मजबूत स्थिति पर प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त है। पंडित रविशंकर शुक्ल विद्यालय के प्रभारी कुल सचिव प्रो अंबर व्यास ने यह कहा कि वैश्विक परिदृश्य में आईपीआर काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ज्ञान को सहेज कर किस तरह से पेटेंट कराया जा सकता है। उनका मानना है कि देश में ज्ञान की कमी नहीं है किंतु इस ज्ञान का उपयोग उचित स्तर पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी लोगों को नकारात्मकता को अलग रखकर आईपीआर को समझने की आवश्यकता है, कई स्तर पर आईपीआर कराए जा सकते हैं।

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 69वीं बैठक संपन्न

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 69वीं बैठक मंडल सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक कार्यसूची के अनुसार जनवरी - मार्च 2025 अवधि की मंडल पर हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में स्टेशन मास्टर डायरी में हिंदी का प्रयोग कर राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में उल्लेकखनीय योगदान देने वाले 10 स्टेदशन मास्टरों को मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद द्वारा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हमारे पूर्व मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार को रेलवे बोर्ड द्वारा प्रतिष्ठित रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक प्रदान किया गया है । यह हमारे मंडल के लिए गौरव की बात है। रायपुर मंडल क क्षेत्र में स्थित है, अतः राजभाषा नियमों/अधिनियमों को शत-प्रतिशत लागू करना और इसके अधीन दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करना हमारा संवैधानिक दायित्व है।

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

राजस्व प्र०क्र०/ /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम राता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतराम एक्का पिता छत्रिय राम उम्र 35 वर्ष, जाति उरांव निवासी राता, उपतहसील रघुनाथपुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने पुत्री अंजु एक्का का जन्म दिनांक 21/6/2000 का प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन पेश किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 25/6/2024-25 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 12/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
उप तहसील रघुनाथपुर
जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

२०२५०१०२१७०००४७
/अ-२७/२०२४-२५

अंतिम फर्द बंटवारा ईश्तहार प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवशरन आ० बन्धन, जाति बरगाह, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा ग्राम सरगवां स्थित भूमि खसरा नंबर २३३ रकबा ०.८१० हे० भूमि का आवेदक, तथा अनावेदक रामचन्द्र आ० बन्धन, व अन्य ०१, निवासी ग्राम सरगवां, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के मध्य १/३ भाग में बंटवारा कराने हेतु छ०ग० भू-राजस्व संहिता १९५९ की धारा १७८ के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत फर्द बंटवारा सूची एवं फर्द नक्शा का अंतिम प्रकाशन किया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक ३०/०६/२०२५ तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक १३/०६/२०२५ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-०२

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

– ईश्तहार –

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अजय कुमार अग्रवाल आ. भोला प्रसाद अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम नेहरू पार्क सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्त्य की भूमि ग्राम सूरजपुर, प.ह.न. 11, रा.नि.मं. सूरजपुर, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2643/5, 2643/6, 2643/7 रकबा क्रमशः 0.017, 0.041, 0.010 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वय अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 7-7-25 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/6/25 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार लुण्ड्रा जिला सरगुजा (छ0ग0)

राजस्व प्र.क्र./ /अ-6-अ/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम राईकला को सूचित किया जाता है कि आवेदक सनक राम पिता नाथ राम उम्र लगभग 45 वर्ष जाति गोड़ निवासी ग्राम राईकला तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा इस का आवेदन पेश किया गया कि अनावेदिका से दिनांक 08/05/2007 को ग्राम राईकला स्थित भूमि खसरा नम्बर 250/4 रकबा 0.146 हे0 एवं दिनांक 13/03/2008 को खसरा नम्बर 250/4 रकबा 0.294 हे0 एवं खसरा नम्बर 294/1 रकबा 0.255 हे० भूमि कय किया है उक्त भूमि का नामांतरण 18 वर्ष 2007 को एवं नामांतरण क्रमांक 12 वर्ष 2009 हो चुका है उक्त उक्त भूमि त्रुटि से छुट गया है, पटवारी द्वारा आवेदक को किसान किताब दे चुके है जिसे उक्त भूमि को आवेदक के द्वारा अपने नाम से राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 9/7/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 23/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
जिला सरगुजा (छ.ग.)

द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

प्र०कं० - 82ए/2014
प्रो० नं० -
आदेश दिनांक-16/06/2025
पेशी दिनाँक 01/07/2025

/ ईश्तहार /

महेश प्रताप शर्मा प्रति अवधेश नारायण शर्मा व अन्य

प्रति,
1. पूर्णिमा पुत्री स्व. प्रवीण उम्र लगभग 25 वर्ष जाति ब्राम्हण पेशा गृहणी निवासी ग्राम नवकी तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज (छ०ग०)।

इस न्यायालय में व्यवहार वाद प्रकरण क्रमांक-823/2014 महेश प्रताप शर्मा प्रति अवधेश नारायण शर्मा व अन्य में आप प्रतिवादी/अनावेदक है, आपको उक्त प्रकरण में कई बार समंस दिया गया, किन्तु आपको समंस की तामिली नहीं हो पा रही है।

अतः आपको इस इश्तेहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक-01/07/2025 को दिन के ठीक 11:00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों।

यदि आप बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होते है, तो आपके विरूद्ध प्रकरण का निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जावेगा। यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है या कार्य दिवस स्थगित हो जाता है, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी तिथि को किया जावेगा।

आज दिनांक 23.06.2025 को इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

दिनांक - 23.06.2025
स्थान - सूरजपुर
(पायल टोपनो)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी
सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय आयुक्त, सरगुजा संभाग (अंबिकापुर) छ0ग0 सार्वजनिक ईश्तहार

रा०अ०प्र०क्र० २०२३०१९६०१००००१/
अ-६/२०२२-२०२३
पेशी दिनांक २२.०७.२०२५
जावक क्रमाक ३२२२ वाचक वाचक
आयुक्त/०२, दिनांक २६/०६/२५

-:: समन्स / नोटिस::-

पक्षकार महेश राम वगै० प्रति सत्येन्द्र उर्फ ठाकुर व ०१ अन्य

०१. सत्येन्द्र उर्फ ठाकुर आ० स्व० धनेश्वर उरांव
०२. छोटू आ० स्व० धनेश्वर उरांव
दोनों निवासी ग्राम भाथुपारा, वार्ड क्रमांक ४५ मनीपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग०

विदित हो कि अपीलार्थी महेश राम आ० स्व० दुखना राम व अन्य ०३ सभी जाति उरांव निवासी ग्राम मनीपुर (परसापाली) नगर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ०ग० द्वारा मनीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० स्थित भूमि के संबंध में न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ०ग० के रा०प्र०क्र० २३१/अ-६/२०२०-२०२१ में पारित आदेश दिनांक २२.१२.२०२१ से क्षुब्ध एवं असंतुष्ट होकर छ०ग० भू-राजस्व संहिता १९५९ की धारा ४४ के अंतर्गत अपील प्रस्तुत किया गया है. जो विचाराधीन है।

अतएव उक्त अपील में आपका पक्ष सुना जाना आवश्यक है, जो इस समन्स के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि नियत पेशी दिनांक २२.०७.२०२५ को अनिवार्य रूप से स्वतः या अपने अधिवक्ता या ऐसे व्यक्ति के मार्फत उपस्थित होवें जो उक्त अपील प्रकरण में सवाल/जवाब प्रस्तुत कर सके। पेशी तिथि में अनुपस्थित होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुए प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। यदि पेशी तिथि को न्यायालय में अवकाश होगा तो अगले कार्य दिवस पर प्रकरण में सुनवाई कर अग्रिम कार्यवाही जारी किया जावेगा।

आज दिनांक २३/०६/२०२५ को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

आयुक्त
सरगुजा संभाग, सरगुजा
अंबिकापुर (छ०ग०)

> अल्पबुद्धि व्यक्ति थोड़ा-सा ज्ञान प्राप्त कर लेने पर ही स्वयं को महान विद्वान समझने लगता है।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

मेडे, ये वो आपात संदेश

विमान में सवार देशी विदेशी यात्रियों और क्रू सहित 242 लोगों में से सिर्फ एक खुशकिस्मत यात्री के सिवा कोई नहीं बचा। मेडिकल कॉलेज होस्टल, कैफेटेरिया को भी भारी क्षति पहुंची और 10 से अधिक लोगों की भी मौत हुई है जिनमें कुछ प्रशिक्षु चिकित्सक थे। लंदन जा रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी मृत्यु हो गई। स्वाभाविक तौर पर यह कभी न भूलने वाला गम है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता तो जांच के बाद ही लग सकेगा, लेकिन कुछ तथ्यों पर तुरंत गौर करना जरूरी है। वह क्या कारण थे कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान (एआई171) उड़ान भरने के बाद 625 फुट से ऊपर नहीं उठ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के लैंडिग गेयर भी तब तक सिमटे नहीं थे कि पायलट को आपात पुकार लगानी पड़ी, लैंडिग गेयर समेटने की प्रक्रिया स्वचालित होती है। क्या विमान टेक ऑफ के लिए जरूरी गति नहीं पकड़ पाया था। विमान को तेजी से नीचे आते देखा गया और यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऐसा भी नहीं है कि पायलट कम अनुभवी रहे हों। उड़ान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के हाथों थी। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। हादसे की परिस्थितियां विमान के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। क्या उड़ान से पहले जरूरी जांचों में लापरवाही बरती गई थी? बोइंग कंपनी के विमानों को लेकर बीते वर्षो में इसमें कई तकनीकी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी सामने आई हैं। कई बार ड्रीमलाइनर्स मॉडल के सभी विमानों को उड़ान भरने से रोका जा चुका है। कंपनी अभी तक तो सभी आरोपों से इनकार करके बचती रही है। अब वक्त आ गया है कि अहमदाबाद हादसे में मारे गए पायलट की आपात पुकार को हर वक्त सुना जाए और विमानों के मेंटिनेंस में लापरवाही को आपराधिक कृत्य माना जाए ताकि अब कोई और हादसा न हो और देश की छवि पर कोई धब्बा न लगे।

> मेडे, ये वो आपात संदेश था जो अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान के पायलट ने उड? भरने के तुरंत बाद हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) को भेजा था, लेकिन एटीसी जब तक कोई प्रतिक्रिया करता तब तक दूसरी ओर सुनने वाला कोई बचा नहीं था। विमान टेक ऑफ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हवाई अड्डे के बाहर सिविल अस्पताल और बीजे मेडिकल कॉलेज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भारतीय कामगारों का सशक्तिकरण : रोजगार में बढ़ोतरी और श्रमिक कल्याण के डिजिटल उपाय

वी. अनंत नागेश्वरन

> *आधुनिक डिजिटल युग में, चैटबॉट, पोर्टल, ऑनलाइन शिकायत निवारण व्यवस्था और प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा संचालित ई-गवर्नेंस पोर्टल ने सरकार को लोगों के बेहद करीब ला दिया है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार रोजगार वृद्धि और कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने को फिर से परिभाषित और पुनर्संयोजित कर रही है। अब प्रक्रियाएं अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन रही हैं। योजना से संबंधित पोर्टल अब ऑल-इन-वन (एकल सुविधा) प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो धोखाधड़ी, मैन्युअल प्रक्रियाओं और प्रशासनिक बोझ कम करते हुए कार्यक्रमों के बारे में निर्बाध ज्ञान प्रवाह और लाभ मापन की सुविधा प्रदान करते हैं।*

योजनाओं को आधार कार्ड से जोड़े जाने और विभिन्न योजनाओं के साथ इसके अंतसंबंध से किसी को दो बार लाभ लेने से रोकने के साथ ही यह सुनिश्चित होता है कि लाभ समय पर लक्षित लोगों तक ही पहुंचें। आपस में जुड़े पोर्टल कामगारों को लाभकारी योजनाओं तक पहुंचने और आवेदन की स्थिति जानने, रोजगार के अवसरों का पता लगाने और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। जबकि ये नियोक्ताओं को राष्ट्रीय प्रतिभा पूल के उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिससे कौशल और अनुभव के आधार पर कामगारों की भर्ती संभव हो पाती है। इसके अतिरिक्त, ये पोर्टल असंगठित श्रमिकों, नौकरी के इच्छुक कामगारों, नियोक्ताओं और रोजगार के अवसरों का व्यापक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने में योगदान देते हैं, जिससे नीति निमार्ताओं को सूचित, डेटा-समर्थित निर्णय लेने की सहूलियत मिलती है। किसी बड़े संकट के समय, महामारी इत्यादि के दौरान, ये डेटाबेस बेहद उपयोगी सिद्ध होंगे, जिससे जरूरतमंदों की शीघ्रता से पहचान और समय पर सहायता सुनिश्चित हो सकेगी। यह डिजिटल शासन में परिवर्तन को सुव्यवस्थित कर रहा है, नागरिकों को सशक्त बना रहा है और कल्याणकारी प्रयासों की व्यापकता और प्रभावशीलता बढ़ा रहा है। इन पहल के कुछ उदाहरणों की यहां चर्चा की गई है।

राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल इस परिवर्तनकारी पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा 2015 में आरंभ किए गए इस पोर्टल ने रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों को संबंधित सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 5 करोड़ 50 लाख से अधिक कामगारों के पंजीकरण के साथ, यह एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में काम कर रहा है जो नौकरी पाने के इच्छुक व्यक्तियों को देश भर में रोजगार के अवसरों से जोड़ता है। इस पर उन्हें करियर काउंसलिंग, जॉब मैचिंग, इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), कौशल विकास पाठ्यक्रम आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। किसी राज्य विश्वविद्यालय से तुरंत स्नातक होने वाला छात्र पहले मोबाइल फोन के जरिए देश भर में नौकरी के अवसरों को जानने की कल्पना भी नहीं कर सकता था। पर आज, एनसीएस की मदद से कोई भी व्यक्ति आसानी से स्थान के हिसाब से पीएम गतिशक्ति के साथ एकीकरण के जरिए, देश भर में नौकरियों की खोज कर सकता है, करियर और नौकरी संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है और यहां तक कि स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल के जरिए आवश्यक कौशल भी हासिल कर सकता है। यह सब उसे फोन पर या स्थानीय रोजगार मेलों में शामिल होकर मिल सकता है। एनसीएस परियोजना के अंतर्गत अब तक लगभग 57 हजार रोजगार मेले आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, एनसीएस पोर्टल को स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच), उद्यम, ई-श्रम, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), पीएम गतिशक्ति, डिजीलॉकर और अन्य के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे हितधारकों की उन तक पहुंच और दक्षता में वृद्धि हुई है। यह पोर्टल लगभग 30 राज्यों और निजी रोजगार पोर्टलों से भी जुड़ा हुआ है, जिससे कामगारों को नौकरी के अवसरों तक व्यापक पहुंच हो रही है। इसी तरह, श्रम सुविधा और समाधान पोर्टल, उद्योग और व्यापार के लिए अनुपालन और व्यापार सुगमता को बढ़ाते हैं तथा विवादों का तेजी से समाधान और दावे तथा श्रमिकों की शिकायतों का निपटान सुनिश्चित करते हैं। ईएसआईसी धनवंतरी मॉड्यूल अस्पतालों और औषधालयों को मरीजों का रिकॉर्ड (परीक्षण इत्यादि) पिछले मामले के इतिहास आदि की बेहतर उपलब्धता प्रदान करने में सक्षम बनाता है, जिससे रोगी की बेहतर देखभाल सुनिश्चित होती है। ये पहल सरकार के संकल्प के स्पष्ट प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी के लाभ से विभिन्न पहल द्वारा सभी के लिए अधिक सुलभ, कुशल और पारदर्शी सेवा मुहैया कराने के कल्याणकारी उपायों में कोई भी पीछे न छूटे।

रोजगार का दूसरा पहलू सामाजिक सुरक्षा है। भारत में एक बड़ा अनौपचारिक, असंगठित क्षेत्र है जो रोजगार प्रदान करता है। ऐसे रोजगार में नियोक्ता द्वारा कोई लिखित अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। इन कामगारों के लिए, बीमारी, चोट, दुर्घटना, नौकरी छूटना या अन्य आपात स्थिति जैसी कोई भी घटना तुरंत विपत्ति में बदल सकती है। अब सरकार के सामाजिक सुरक्षा के उपाय अस्थायी संकट को आजीवन कठिनाई में बदलने से रोकते हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों से इसमें महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और सबको सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। हाल तक लाखों असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभों तक जागरूकता और पहुंच सीमित थी। पर ई-श्रम पोर्टल ने इस चुनौती का समाधान किया है। असंगठित श्रमिकों को अब सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट पहचान मिला है। वर्ष 2021 में आरंभ किए गए इस पोर्टल पर 30 करोड़ 70 लाख से अधिक असंगठित श्रमिक पंजीकृत हैं। यह पोर्टल लगभग 13 सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत कर श्रमिकों के लिए एकल समाधान के रूप में कार्य करता है, जिससे लाभों को लक्षित रुप से पहुंचाना, उन तक बेहतर पहुंच और योजना संतृप्ति (योजना लाभ) संभव हो पाता है। केंद्रीय बजट 2025-26 में गिग श्रमिकों (अल्पकालिक, अनुबंध-आधारित नौकरी करने वाले) का ई-श्रम से पंजीकरण कर विशिष्ट पहचान पत्र प्रदान किया गया है और उन्हें पीएम जन आरोग्य योजना के दायरे में लाकर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ श्रमिकों का विवरण साझा करके, पोर्टल राज्य स्तर पर श्रमिक कल्याण कार्यक्रमों की बेहतर योजना और कार्यान्वयन को सक्षम बनाता है। इसके अलावा, पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा, स्किल इंडिया डिजिटल हब, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम), सरकारी योजनाएं खोजने के लिए वन स्टॉप समाधान प्रदान करने वाला राष्ट्रीय प्लैटफॉर्म माईस्कीम, दिशा योजना आदि के साथ एकीकृत किया गया है। यह श्रमिकों को ई-श्रम पर एक बार पंजीकरण कराने से ही केंद्र और राज्य सरकारों के कई योजना पोर्टलों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है।

इससे योजना की पात्रता, योजना के लाभों, नौकरी के अवसरों का पता लगाने, कौशल प्रशिक्षण, पेंशन और बीमा जैसे लाभ की जानकारी एक ही स्थान पर मिलती है।

नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त

ए.के. खंडेलवाल

> ***भारतीय रेल और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप परिवर्तनकारी (गेमचेंजर) भूमिका निभा रही है। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचे से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे जोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आई है।***

इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटा कर सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 थी। जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने देश के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है। पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोडना है। परंपरागत रूप से सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतरविभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गई हैं। पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष 6-7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इस एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक रिकॉर्ड हैं। कुल 5,309 किमी. नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किमी. (आरकेएम) के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किमी. प्रति दिन से बढ़कर 15 किमी. प्रति दिन हो गई है। प्रभावी रूप से पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नई बनी सड़कों को तोडने. जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं। उदाहरण के लिए हाउसिंग सोसाईटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढने. से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा।

योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महती भूमिका निभाई है। गतिशक्ति की सफलता का महत्त्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढांचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरू आती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केंद्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की योजना बना सकता है। भारत में आर्थिक विकास को गति देने तथा व्यापार करना और अधिक आसान बनाने की क्षमता के आधार पर इस बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गई है।

कुल 16 रेलवे जोन के सभी 68 मंडलों के बीच बेहतर सहयोग के माध्यम से होने वाला सुधार स्पष्ट दिखाई देता है। गतिशक्ति के आने से पहले प्रत्येक रेलवे जोन व विभाग एक हद तक अलग-थलग रूप से संचालित होते थे। इससे देरी, अक्षमताएं और समन्वय की कमी की समस्याएं पैदा होती थीं।

सेमीकंडक्टर बनेगा छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया इंधन

भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में 1100 करोड़ रुपये की लागत से छत्तीसगढ़ की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट का भूमिपूजन किया जा चुका है। देश की प्रसिद्ध सेमीकंडक्टर निमार्ता कंपनी पोलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट की आधारशिला रखकर विकसित छत्तीसगढ़ की तरक्की को नई गति दी गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नई उद्योग नीति और इज ऑफ डुईंग बिसनेस के तहत राज्य द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सहुलियतों से राज्य में निवेश का नया वातावरण तैयार हुआ है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनी पॉलीमैटेक ने भी दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टमेंट समिट में छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई थी और मात्र तीन महीने के भीतर ही भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ। यह छत्तीसगढ़ में ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की सफलता को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ में सेमीकंडक्टर प्लांट की स्थापना से जहां एक ओर बड़े पैमाने पर चिप्स का निर्माण होगा, वहीं तकनीकि शिक्षा प्राप्त युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी सुलभ होंगे। राज्य सरकार द्वारा न केवल सेमीकंडक्टर निर्माण पर ध्यान दिया जा रहा है बल्कि सेमीकंडक्टर के लिए पूरे इको सिस्टम तैयार करने की भी योजना पर भी काम किया जा रहा है, जिसमें चिप डिजाईन से लेकर मेनुफेक्चरिंग और पैकेजिंग की पूरी व्यवस्था होगी। राज्य सरकार द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डाटा सेंटर जैसे नए और तकनीकि उद्योगों को बढ़ावा देने से राज्य में तकनीकि शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा साथ ही रोजगार के नए-नए अवसर भी बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यह मंत्र दिया है कि दुनिया के कम्प्यूटर में लगने वाले चिप में कम से कम एक चिप भारत में बना हो। उन्होंने वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार में वर्ष 2030 तक 10 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सेमिकंडक्टर मिशन की शुरूआत की है। सेमीकंडक्टर की महत्ता और उपयोगिता को सरल शब्दों में इस प्रकार समझा जा सकता है। वाहनों का जिस प्रकार ईंधन पेट्रोल है, ठीक उसी प्रकार सेमीकंडक्टर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का मस्तिष्क और संचालक है। मोबाइल, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, रक्षा उपकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, ड्रोन और स्मार्ट डिवाइस इन सभी में सेमीकंडक्टर की केंद्रीय भूमिका होती है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ महीने पहले ही नई औद्योगिक नीति लागू की है, जिसके परिणामस्वरूप महानगरों में आयोजित इन्वेस्टर समिट से अब तक साढ़े 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 0 जी.एस केशरवानी

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1362

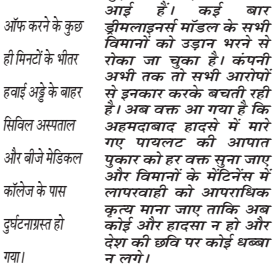

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1 अगस्त 2004 को इस देश ने भारत को 25 रनों से हराकर एशिया कप जीता था (3)
3. किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हों (4)
6. आर.के.नारायण के इस उपन्यास पर फिल्म निर्माण हुआ था, जिसमें देवानंद के साथ वहीदा रहमान थी (3)
7. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (पद्मश्री)(5)
9. एक राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
11. रदपट, अधर, ओंठ (2)
12. मनुज, इंसान, आदमी (3)
13. गुदाई करना, गुदाई कृति (3)
14. हस्ताक्षर, जो यथार्थ हो (2)
15. ना समझ, भोला, अनुभवहीन, सरल (2)
17. अत्यधिक, उच्च, उत्तम, बड़ा (2)
19. पढ़ने वाला, किसी विश्वविद्यालय का अध्यापक (3)
20. शरतचंद चट्टोपाध्याय की प्रसिद्ध कृति (4)

ऊपर से नीचे

1. विवाहित स्त्री, पत्नी (3)
2. विधायन करना, नियम बनाना (6)
3. विवाह क पूर्व की एक रस्म, मंगनी (3)
4. मथानी, जिससे मथा जा सकें (2)
5. अमेरिका के न्यूयार्क प्रांत के पूर्वी हिस्से में बहने वाली एक प्रसिद्ध नदी (4)
8. वर्षद, मेघ, जलदाता, नीरद, वारिद (3)
10. बिजली घर को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
12. भारत के वर्तमान क्रिकेटर महेंद्रसिंह धौनी इस नाम से भी जाने जाते हैं (2)
13. महाराष्ट्र का प्रसिद्ध शहर नासिक इस नदी के उद्गम पर स्थित है (4)
14. बेटा, सूरज (अंग्रेजी)(2)
16. जिसमें दाग लगा हो, लांछित, दुर्गुणी (2)
18. मनसोविकार, मूल्य, भावित (2)

वर्ग पहेली 1361 का हल

मो	ह	म्म	द	र	फी		गा
हि	म			ह	म	रा	ज
नी	ला	म		ल	र	ज	ना
	व	ह	म			स्था	
वि	र	ल		दा	म	न	
क		स		न	न		जा
सि	ता	रा	दे	वी		सु	वा
त	त		व	र	दा	ता	

एकदा

सेल्फी विद ऑक्सीजन टैंकर

भाई साहब विकास पुरुष, जन-जन के लाडले, युवा हृदय सम्राट हैं। भाई साहब के फेसबुक पेज पर उनकी तस्वीरें देख आत्मा प्रसन्नता से झूम उठती है। जब से कोरोना आया है, भाई साहब चैन से बैठे तक नहीं हैं। लोकतंत्र वारियर के रूप में रिसॉर्ट प्रवास पर जाने वाले भाई साहब इन दिनों कोरोना वारियर की छवि बनाने में भिड़े हैं। वे लगातार क्षेत्र में सघन दौरों में लगे हैं। जहां भी जाते हैं, फेसबुक लाइव करके दुनिया को बताते हैं। अरे दीवानों, मुझे पहचानो, कहां से आया हूं मैं कौन, की धुन मन में गुनगुनाते हुए वे समस्याओं की ओर देखते हैं। गांव है, गांव में बीमारी है, मगर स्वास्थ्य केंद्र नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र नहीं है तो क्या, भाई साहब तो हैं। जनता की पीड़ा पर वे सिस्टम को तत्काल आदेश देते हैं। उनके एक आदेश से स्कूल अस्पताल में बदल जाता है। अजी! अब तक अस्पताल कहां था जनता यह सवाल करना भूल जाती है। भाई साहब जादूगर हैं। अपनी अदाओं से बुद्धि, विवेक, तर्क शून्य कर देते हैं। यदि जनता पूछ भी ले तो वे सीना ताने कहेंगे- अब तक कोरोना भी कहां था?

भाई साहब भाषण देते हैं, भाषण लाइव होता है, जनता जय हो कमेंट करती है। भाई साहब शहर में होते हैं, शहर कोरोना की गिरफ्त में होता है। ऑक्सीजन की किल्लत से अफरातफरी मची होती है। अस्पतालों में मरीज तो क्या, उनके परिजनों की भी सांसें फूल रही होती हैं। भाई साहब शांत रहते हैं।

0 सौरभ जैन

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

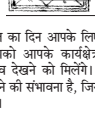

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको आपके कार्यक्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को आज रोजगार मिलने की संभावना है, जिससे उनके आर्थिक हालात में सुधार आएगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। आज आपको व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होगा , जिससे भौतिक सुख सुविधा में बढ़ोत्तरी होगी। आज आपके दाम्पत्य रिश्तों में सुधार होगा , जीवन में नयापन आएगा। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है ,

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। जो लोग प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना चाहते है ,आज उनको बढि?ा ऑफर मिलेगा। महिलायें आज घर को सजाने झ सवांरने का काम करेंगी , इस काम में बच्चे उनकी मदद करेंगें। आज आपको घर में किसी बड़ी जिम्मेदारी को निभाने का अवसर प्राप्त होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते है। आज आप लोगो को रोजगार में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगें। आज का दिन लवमेट के लिए खुशी देने वाला होगा, पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिये मिला झ जुला रहेगा। व्यापार में धन लाभ होने के साथ झ साथ खर्च की अधिकता रहेगी। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या से राहत मिलेगी , जिससे आज आप खुद को बेहतर महसूस करेंगें। छात्रों को आज स्कूल में होने वाली प्रतियोगिता मे शामिल होने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपमें एक नयी उर्जा का अहसास होगा, जिससे आप आलस्य का त्याग करके दिनचर्या से जुड़े सारे काम बखूबी करेंगें। घर से बाहर रहकर पढ़ने लिखने वाले बच्चों को पेरेंट्स का सहयोग बना रहेगा ,

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल सुखमय बना रहेगा। आज आप शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने का विचार कर सकते हैं, इसके लिए आप किसी प्रोफेशनल व्यक्ति की सलाह भी ले सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको मेहनत का फल अवश्य प्राप्त होगा , जिससे आपका आत्मविश्वास दृढ होगा। आज आप दोस्तों के साथ अच्छा टाइम स्पेंड करेंगें , आपको खुशी मिलेगी। आज बच्चे किसी चीज को लेकर आपसे जिद कर सकते है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छी डील मिलेगी , जिससे आपके बिजनेस को बढ़िया लाभ होगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा , जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर से बाहर रह रहे व्यक्तियों को आज घर जाने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए मिला झ जुला रहेगा। आज आप सुबह की सैर करने जा सकते हैं, जिससे आज आप पूरा दिन उजार्वान बने रहेंगें। ऑफिस में आज आपकी सहकर्मी के साथ काम को लेकर कुछ विशेष बात हो सकती है, सब लोग मिलकर अच्छे से काम करेंगें।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिये शानदार रहेगा। आज आपको पार्टनरशिप में किसी बिजनेस का ऑफर मिल सकता है, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों से स्नेह मिलेगा। रोजगार में तरक्की के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगें, जिससे भौतिक सुख की प्राप्ति होगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा , जिससे आपके बिजनेस को ग्रोथ मिलेगी। छात्र जीवन से जुडी समस्याओं का समाधान होगा , जिससे वो पढ़ाई में बढि?ा परफोर्म करेंगें।

इस वर्ष कब शुरू हो रही है जगन्नाथ यात्रा? तिथि, महत्व और पौराणिक कथा

जगन्नाथ रथ यात्रा हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जो हर साल ओडिशा के पुरी में धूमधाम से मनाया जाता है। यह उत्सव भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को समर्पित है। इस वर्ष जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून, शुक्रवार को शुरू होगी।

जगन्नाथ रथ यात्रा हिंदू धर्म का एक भव्य पर्व है, जो ओडिशा के पुरी में हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। यह उत्सव भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को समर्पित है। यह यात्रा आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को शुरू होती है, जो जून या जुलाई में पड़ती है। इस वर्ष 2025 में जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून, शुक्रवार को शुरू होगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 1.24 बजे शुरू होगी और 27 जून को सुबह 11.19 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर यह पर्व 27 जून को मनाया जाएगा। यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है और 5 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान लाखों भक्त रथों को खींचते हैं और भगवान के दर्शन करते हैं, जो भक्ति और एकता का प्रतीक है।

रथ यात्रा का महत्व

जगन्नाथ रथ यात्रा का बहुत अधिक महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, रथ यात्रा में शामिल होने या भगवान के दर्शन करने से भक्तों के सभी पापों का नाश होता है और उन्हें भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह यात्रा एकता और समानता का भी प्रतीक है, क्योंकि इसमें हर वर्ग के लोग बिना किसी भेदभाव के भाग लेते हैं। पुरी का जगन्नाथ मंदिर चार धाम तीर्थों में से एक है, और यह यात्रा भक्तों को मोक्ष की ओर ले जाने वाली मानी जाती है।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार सुभद्रा ने अपने भाइयों, जगन्नाथ और बलभद्र के साथ पुरी नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। उनकी इच्छा पूरी करने के लिए भगवान जगन्नाथ ने उन्हें रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। इस दौरान वे अपनी मौसी के घर, गुंडीचा मंदिर, में सात दिनों तक रुके। तब से यह परंपरा हर साल मनाई जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, यह यात्रा भगवान कृष्ण की मथुरा यात्रा का प्रतीक है, जहां वे अपने भाई-बहन के साथ जाते हैं।

जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत स्नान पूर्णिमा से होती है, जब भगवान को 108 घड़ों से स्नान कराया जाता है। इसके बाद वे 15 दिनों के लिए एकांतवास में रहते हैं। मुख्य यात्रा के दिन तीनों देवताओं को विशाल रथों पर बिठाया जाता है। जगन्नाथ का रथ नंदीघोष 16 पहियों वाला, बलभद्र का रथ तालध्वज 14 पहियों वाला और सुभद्रा का रथ दर्पदलन 12 पहियों वाला होता है। लाखों भक्त इन रथों को खींचते हैं और गुंडीचा मंदिर तक ले जाते हैं। इस दौरान पुरी की सड़कों पर भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिलता है।

पांचवें दिन हेरा पंचमी पर माता लक्ष्मी अपने पति जगन्नाथ से मिलने गुंडीचा मंदिर जाती हैं। नौवें दिन, बहुदा यात्रा के दौरान देवता वापस जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। इस यात्रा में चेरा पहरा अनुष्ठान भी होता है, जिसमें पुरी के राजा रथों की रक्षाई करते हैं, जो समानता का संदेश देता है। यह पर्व भक्ति, एकता और सांस्कृतिक धरोहर का अनुपम संगम है।

जगन्नाथ रथ यात्रा में जा रहे हैं तो इन कामों को किए बिना अधूरी रह जाएगी आपकी यात्रा

ओडिशा के पुरी में हर साल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलती है. यह आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया को होती है। रथयात्रा में श्रीकृष्ण, बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियां सजाई जाती हैं। इस साल 2025 में रथयात्रा 26 से 27 जून तक चलेगी। आप भी अगर जगन्नाथ यात्रा में शामिल होने जा रहे हैं, तो आपको कुछ विशेष कामों को किए बिना आपकी यात्रा अधूरी रह जाएगी।

ओडिशा के पुरी में हर साल भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलती है। जगन्नाथ रथ यात्रा आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू की जाती है। इस रथयात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का श्रृंगार करके भव्य रथों में बैठाकर उनकी रथयात्रा निकाली जाती है। 2025 में यह रथयात्रा 26 से 27 जून तक चलेगी। भगवान जगन्नाथ के भक्त इस अद्भुत रथयात्रा में शामिल होने के लिए हर साल यहां आते हैं। आप भी अगर इस साल जगन्नाथ यात्रा में शामिल होने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां आकर कुछ विशेष कार्य जरूर करने चाहिए।

भगवान जगन्नाथ के दर्शन के बाद जरूर खींचें रथ

भगवान जगन्नाथ के रथ को भक्तों द्वारा खींचने की परंपरा बहुत पुरानी है। भक्त दर्शन करने के बाद बारी-बारी से भगवान जगन्नाथ का रथ खींचते हैं। भगवान जगन्नाथ का रथ खींचने में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं देखा जाता। कोई भी भक्त अपनी श्रद्धाभाव से भगवान जगन्नाथ का रथ खींच सकते हैं। जगन्नाथ मंदिर से तीनों रथों को खींचकर भक्त 4 किलोमीटर दूर गुंडीचा मंदिर लेकर जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ का रथ खींचने वाला व्यक्ति जीवन-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है। हर किसी को 13 कदम ही रथ खींचने की अनुमति होती है।

जगन्नाथ मंदिर जाएं तो प्रसाद जरूर खाएं

जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद भी बहुत निराला है। जगन्नाथ मंदिर की रसोई को दुनिया की सबसे बड़ी रसोई माना जाता है। करीब 500 रसोइए और 300 सहयोगी मिलकर प्रसाद बनाते हैं। प्रसाद बनाने के लिए 7 बर्तनों को लाइन से एक के ऊपर एक रखा जाता है और नीचे एक ही लकड़ी लगाकर सातों बर्तनों का खाना एक ही आंच में बना दिया जाता है। इसमें सबसे ऊपर रखे बर्तन का खाना सबसे पहले पकता है। धार्मिक मान्यता है कि जगन्नाथ मंदिर का प्रसाद खाने से सौभाग्य की वृद्धि होती है।

हनुमान जी और विमला देवी के जरूर करें दर्शन

पौराणिक कहानियों के अनुसार भगवान जगन्नाथ ने जगन्नाथ पुरी की रक्षा की जिम्मेदारी हनुमान जी को सौंपी थी। आप यहां के कण-कण में हनुमान जी के बसे होने के संकेत मिलेंगे। यहां आकर आपको बेड़ी हनुमान जी के दर्शन जरूर करने चाहिए। साथ ही यहां विमला देवी माता का मंदिर भी है। जगन्नाथ पुरी आकर उनके दर्शन भी जरूर करें।

नीलचक्र और ध्वज के दर्शन

जगन्नाथ पुरी में आपको हर मंदिर के ऊपर सुदर्शन चक्र बने ध्वज के दर्शन जरूर करें। सबसे दिलचस्प बात यह है कि आप यहां लगे ध्वज को जिस तरफ से भी देखेंगे, आपको सुदर्शन चक्र बिल्कुल बीच में ही नजर आएगा। इसके अलावा मंदिर के शीर्ष पर लगे नीलचक्र के दर्शन भी जरूर करें।

इन समुद्र तटों के भी जरूर करें दर्शन

जगन्नाथ मंदिर के पास ही पुरी बीच, गोल्डन बीच, स्वर्गद्वार बीच, बालिहारचाडी बीच हैं। यहां आपको प्रकृति के अद्भुत नजारे देखने को मिलेंगे। साथ ही आसपास कई छोटे-छोटे मंदिर आपको भक्ति के रंग से सराबोर कर देंगे।

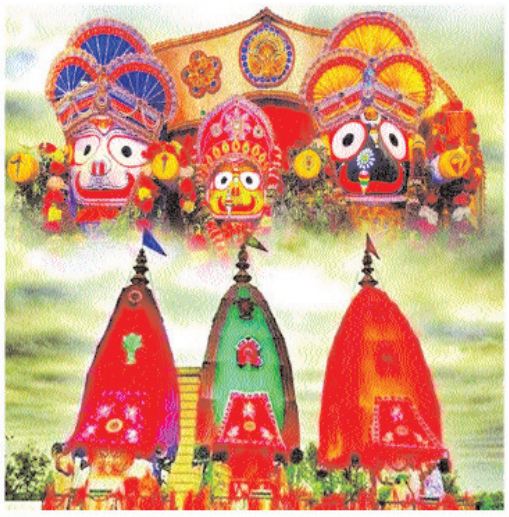

पूजा का सामान किस दिशा में भूलकर भी नहीं रखना चाहिए?

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सभी चीजों को सही दिशा में नियमित रूप से रखने का विधान है। अब ऐसे में घर में पूजा का सामान किस दिशा में रखने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

वास्तु शास्त्र में पूजा का सामान रखने के लिए सही स्थान और दिशा में रखने का विधान है। पूजा का सामान शुभता का प्रतीक माना जाता है और इसे भगवान को चढ़ाई जाती है। इसलिए इसे सही तरह के रखने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर जातक किसी भी सामान को सही दिशा में रखता है तो इसका असर जातक के जीवन पर भी पड़ता है और यह परिणाम जातक पर शुभ और अशुभ प्रभाव डालते हैं। अगर आप पूजा का कोई भी सामान जैसे की पूजा-पाठ के लिए सामग्री और भगवान का वस्त्र रखते हैं तो इसे सही स्थान पर रखना महत्वपूर्ण माना जाता है।

वास्तु में दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना जाता है। इस दिशा में पूजा का सामान रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है और घर में अशुभ प्रभाव आ सकते हैं। इसके अलावा अगर आप पूजा-पाठ का सामान दक्षिण-पश्चिम दिशा में रख रहे हैं तो यह दिशा भी शुभ नहीं माना जाता है। इस कोण को स्थिरता और पितरों से संबंधित माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर के सदस्यों के स्वास्थ्य और समृद्धि पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। पूजा का सामान आप भूलकर भी घर की आग्नेय कोण यानी कि दक्षिण-पूर्व दिशा में भूलकर भी न रखें। इन दिशाओं को अशुभ माना जाता है। बाथरूम के पास वाले जगह में भी पूजा का सामान नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। सीढ़ियों के नीचे की जगह को भी वास्तु में अच्छा नहीं माना जाता है। यहां पूजा का सामान रखने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ सकता है और काम में कभी भी सफलता नहीं मिलती है।

पूजा का सामान का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूजा का सामान पवित्रता, शुभता और सकारात्मकता का द्योतक माना जाता है। इसलिए पूजा के सामान को कभी भी अपवित्र स्थान पर नहीं रखना चाहिए। इससे पूजा की पवित्रता और शुद्धि खत्म हो जाती है और व्यक्ति को पूजा का शुभ परिणाम नहीं मिलता है। पूजा का सामान हमेशा सही दिशा में रखें। इससे शुभ परिणाम मिलते हैं और देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होती है।

क्यों शुभ मानी जाती है भगवान रथयात्रा की रस्सी छूना?

हर साल, जब ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की भव्य रथयात्रा निकलती है, तो लाखों भक्त इस अलौकिक दृश्य का साक्षी बनने के लिए उमड़ पड़ते हैं. यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और भक्ति का एक ऐसा संगम है जो हर किसी को अपनी ओर खींच लेता है. इस यात्रा में एक अनोखी परंपरा है. भगवान के विशाल रथों की रस्सियों को छूना. यह माना जाता है कि इन रस्सियों को छूने मात्र से भक्तों को असीम पुण्य की प्राप्ति होती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि आती है. इस साल रथ यात्रा का मुख्य आयोजन 27 जून को होगा. रथयात्रा का आयोजन आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को होता है और यह नौ दिनों तक चलता है. भगवान जगन्नाथ का रथ 'नंदीघोष', बलभद्र का 'तालध्वज' और देवी सुभद्रा का 'देवदलन' नाम से जाना जाता है. इन विशाल रथों को सैकड़ों भक्त खींचते हैं और यह दृश्य अपने आप में अविस्मरणीय होता है. जिस क्षण ये रथ चलना शुरू करते हैं, भक्तों का उत्साह चरम पर होता है और हर कोई रथों की रस्सियों को छूने के लिए आतुर होता है.

रथ की रस्सी छूने का महत्व

भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु का ही एक रूप माना जाता है, जो कलियुग के देवता हैं. ऐसी मान्यता है कि रथयात्रा के दौरान भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं और उन्हें दर्शन देते हैं. रथ की रस्सी को छूना इस दिव्य यात्रा का एक अभिन्न अंग बन गया है, जिसके पीछे कई धार्मिक और पौराणिक मान्यताएं जुड़ी हैं.

मोक्ष की प्राप्ति – शास्त्रों और पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि जो भक्त रथयात्रा के दौरान भगवान के रथ की रस्सी को खींचते हैं या उसे स्पर्श करते हैं, उन्हें जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल जाती है और वे मोक्ष प्राप्त करते हैं. यह माना जाता है कि भगवान स्वयं ऐसे भक्तों को अपने धाम में स्थान देते हैं.

पापों का नाश – यह दृढ़ विश्वास है कि रथ की रस्सी को छूने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं. रथयात्रा को एक पवित्र अनुष्ठान के रूप में देखा जाता है जो आत्मा को शुद्ध करता है और उसे नकारात्मकता से मुक्त करता है.

शुभता और समृद्धि – भक्त मानते हैं कि रथ की रस्सी का स्पर्श उनके जीवन में सौभाग्य, समृद्धि और खुशहाली लाता है. यह आशीर्वाद के रूप में देखा जाता है जो परिवार में सुख-शांति सुनिश्चित करता है.

मनोकामना पूर्ति – कई भक्त अपनी विशिष्ट मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए रथ की रस्सी को छूते हैं. यह एक प्रकार से भगवान के समक्ष अपनी प्रार्थना सीधे रखने जैसा है, और ऐसी मान्यता है कि भगवान उनकी इच्छाएं पूरी करते हैं.

भगवान से सीधा जुड़ाव – रथ की रस्सी को छूना भगवान जगन्नाथ से सीधा और व्यक्तिगत जुड़ाव महसूस करने का एक तरीका है. यह एक शारीरिक और आध्यात्मिक स्पर्श है जो भक्तों को भगवान के करीब लाता है.

परंपरा और जन- आस्था का प्रतीक

यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों से चली आ रही जन-आस्था का भी प्रतीक है. लाखों लोग, चाहे वे कहीं से भी आए, इस एक अवसर के लिए पुरी पहुंचते हैं, ताकि वे इस पवित्र क्षण का हिस्सा बन सकें और रथ की रस्सी को छूकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें. यह भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास का प्रमाण है.

ड्रेस कोड योजना के तहत प्राप्त राशि का 15 जुलाई तक जमा करना होगा बिल

बिश्रामपुर - कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अनुषंगी कंपनियों ने कर्मचारियों के लिए एक नया कदम उठाते हुए समान ड्रेस कोड योजना लागू कर दी है। इसके तहत बिश्रामपुर क्षेत्र के सभी कर्मचारियों के खातों में १६ जून को १२५०० रुपए की अग्रिम राशि भेजी गई है, जिससे कर्मचारी तीन सेट निर्धारित वर्दी खरीद सकें। यह पहल संगठन में पेशेवर एकरूपता लाने के उद्देश्य से की गई है, जिससे सभी कर्मचारियों की उपस्थिति संगठित और अनुशासित प्रतीत हो। योजना के तहत १२५०० रुपए की अग्रिम राशि कर्मचारियों को ड्रेस कोड के तहत दी गई है। कर्मचारी अधिकतम इस राशि में ३ सेट ड्रेस खरीद सकते हैं लेकिन खरीद की प्रक्रिया जीएसटी बिल के साथ होनी चाहिए। यह बिल अनिवार्य रूप से १५ जुलाई तक अपने संबंधित बिलिंग विभाग में जमा करना होगा। सीआईएल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि कोई कर्मचारी निर्धारित तिथि तक बिल जमा करने में असफल रहता है, तो अग्रिम दी गई राशि जुलाई के वेतन से वसूल कर ली जाएगी।

साय सरकार में किसान बेहाल, खाद-बीज के लिए भटक रहे किसान, कांग्रेस का जोरदार धरना प्रदर्शन

कृषि उपज मंडी बैकुंठपुर छिंददाड़ में कांग्रेस ने उठाई किसानों की आवाज, भाजपा सरकार को बताया जिम्मेदार

कोरिया बैकुंठपुर। भाजपा की विष्णु देव साय सरकार के शासन में प्रदेश के किसान खाद और बीज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। समय पर खरीफ फसल की बुआई के लिए आवश्यक रासायनिक खाद और प्रमाणित बीज की भारी किल्लत ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

इसी गंभीर मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने कृषि उपज मंडी समिति बैकुंठपुर छिंददाड़ में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसजनों ने कहा कि भाजपा की सरकार किसानों के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है। प्रदेश में सहकारी समितियों में खाद-बीज का टोटा है और सरकार आंख मूंदे बैठी है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार सिर्फ दिखावे की घोषणाओं में व्यस्त है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि खेत सूने पड़े हैं और किसान संकट में हैं। वक्ताओं ने चेताया कि यदि जल्द ही खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता नहीं कराई गई तो कांग्रेसजन उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगी। सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि भाजपा सरकार की यह विफलता छत्तीसगढ़ के अन्नदाता के साथ अन्याय है।

धरना प्रदर्शन के दौरान : जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, वरिष्ठ कांग्रेसी मुख्तार अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, गणेश राजवाड़े, बिहारी राजवाड़े, विकास श्रीवास्तव, भूपेंद्र यादव, रामाधार टोप्पो, एजाज गुड्डू, दीपक गुप्ता, गणेश जायसवाल, साहब अख्तर, संजोती मरकाम, ललिता, संतोष गोयन, हीरालाल साहू, रामसाय सोरी, विजय चक्रधारी, राजेश कुर्रे, मुकेश कुर्रे, संजय खलखो, मोहनलाल, शिवराम राजवाड़े एवं अनेकों कांग्रेसजन भारी संख्या में मौजूद रहे।

न्यूज गैलरी

स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता की दिशा में नई पहल

आपकी वोट आपके जिले को स्वच्छ बनाने में मदद करेगी- कलेक्टर

कोरिया बैकुंठपुर - स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल 'स्वच्छ सर्वेक्षण २०२५' का शुभारंभ किया गया है। यह सर्वेक्षण २३ जून २०२५ से शुरू होकर १४ अगस्त २०२५ तक चलेगा, जिसमें सर्वेक्षण के दौरान स्वतंत्र एजेंसी द्वारा गांवों का भ्रमण कर स्वच्छता की स्थिति का आकलन किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने की अपील - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने ग्रामीण एवं शहरवासियों से अपील की है कि वे 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामणी २०२५' मोबाइल ऐप को डाउनलोड कर और अपने फीडबैक एवं वोट दें। उन्होंने कहा, आपकी वोट आपके जिले को स्वच्छ बनाने में मदद कर सकती है। हमें अपने जिले को स्वच्छ बनाना है। सभी ग्रामीण एवं शहरी नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण में भाग लें, अपने सुझाव साझा करें और अपने जिले को स्वच्छ बनाने की दिशा में योगदान दें।

बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान हेतु छत्तीसगढ़ सरकार ने टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर किया जारी

देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता-उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर १८००-२३३-१९०५ जारी किया है। यह निर्णय राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार लिया गया है। हेल्पलाइन २४३७ (सप्ताह के सातों दिन, चौबीसों घंटे) सक्रिय रहेगी।

हेल्पलाइन पर सूचना देने वाले की पहचान रहेगी गोपनीय - यह हेल्पलाइन नागरिकों को अपने आस-पास किसी भी संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक या उसकी गतिविधियों की जानकारी सीधे पुलिस प्रशासन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम प्रदान करती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि लोग निर्भीक होकर राष्ट्रहित में योगदान दे सकें।

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता- विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा 'देश की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ को अवैध गतिविधियों और घुसपैठ से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह हेल्पलाइन आम जनता को एक सीधा, सुरक्षित और प्रभावी माध्यम देती है जिससे वे देश और प्रदेश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभा सकें।

पुलिस विभाग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश - श्री शर्मा ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे हेल्पलाइन पर प्राप्त हर सूचना को गंभीरता से लें, तत्काल जाँच करें और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने इस अभियान के तहत जनजागरूकता अभियान चलाने और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी जारी किए हैं।

गलत पहचान से बचने के लिए सावधानी - पुलिस विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी सूचनाओं की सत्यता की गहन जांच की जाएगी ताकि निर्दोष व्यक्तियों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो।

यह निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर १८००-२३३-१९०५ है। यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक या अवैध गतिविधि की जानकारी है, तो तुरंत इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

आमगांव खदान भूमि अधिग्रहण प्रबंधन की सख्ती, तीन कर्मियों पर कार्रवाही के लिए लिखा पत्र

बिश्रामपुर - एसईसीएल बिश्रामपुर के आमगांव खदान विस्तार के तहत पटना गांव की अधिग्रहित भूमि पर ग्रामीणों द्वारा प्रबंधन को कोयला खनन के लिए उपलब्ध नहीं करने, विवाद की स्थिति निर्मित करने मामले में क्षेत्रीय प्रबंधन ने अब सख्ती बरतनी शुरू कर दी है।अलग अलग खदानों में कार्य कर रहे भू स्वामी जिन्हें प्रबंधन नौकरी दे चुकी है उनका हाजरी रोकने के बाद संबंधित क्षेत्र के महाप्रबंधकों को संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा कुसमुंडा महाप्रबंधक और बैकुंठपुर महाप्रबंधक को पत्र लिख जलांधर सिंह आत्मज छत्रपाल, कृष्ण कुमार साहू आत्मज सालिक राम एवं धर्मवंद सिंह आत्मज शिवरतन सिंह के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। बता दें कि एसईसीएल बिश्रामपुर की आमगांव खदान में वर्तमान समय में सालही में कोयला उत्पादन का कार्य चल रहा है।अब खदान का विस्तार पटना गांव में किया जाना है जिसके लिए प्रबंधन ने पटना गांव की २८५ खातेदारों की करीब ९२८ एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने बताया कि कुल अधिग्रहित भूमि का ८८ प्रतिशत मुआवजा संबंधित भू स्वामियों को वितरित किया जा चुका है जबकि २६प्रतिशत लोगों को जमीन के बदले नौकरी भी दी जा चुकी है हहां कुल ४६४ लोगों को नौकरी देनी है जिसमें अब तक ११७ भू स्वामियों को नौकरी भी दे दी गई है जो अलग अलग क्षेत्र के खदानों में कार्य कर रहे है।जबकि करीब ८० से अधिक प्रकरण प्रक्रिया में है बावजूद ग्रामीणों द्वारा यह कहकर कि सभी लोगों को जब तक प्रबंधन नौकरी और मुआवजा नहीं देगी तब तक वे पटना में खदान शुरू नहीं करने देंगे।प्रबंधन द्वारा राजस्व और पुलिस अमले के साथ खदान खोलने का विरोध कर रहे ग्रामीणों को कई दौर की मीटिंग कर समझाईस का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण कुछ सुनने को तैयार नहीं है जिसके बाद प्रबंधन ने पहले नौकरी कर रहे ग्रामीणों की हाजरी रोकी और अब नोटिस जारी कर उन पर विधि सम्मत कार्यवाही की मांग की है।प्रबंधन ने बताया कि एक साथ सभी को नौकरी देना इसलिए भी संभव नहीं है कि भू स्वामियों के कागजात दुरुस्त नहीं है।कंपनी गाइड लाइन के मुताबिक नौकरी के लिए बीस बिंदुओं में जानकारी और दस्तावेज देना होता है लेकिन ग्रामीण आधार कार्ड पर नौकरी की मांग कर रहे है जो न्यायसंगत नहीं है।प्रबंधन ग्रामीणों के कागजात दुरुस्त कराने के लिए हर गुरुवार भू राजस्व अमले की टीम का गांव में शिविर करा रही बावजूद सभी पात्र भू स्वामी कागजात दुरुस्त न करा प्रबंधन पर दोष मढ़ खदान का कार्य अवरुद्ध कर शासन का नुकसान करा रहे जो न्याय संगत नहीं है।प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि जिन भू स्वामियों के भूमि का मुआवजा और नौकरी कंपनी दे चुकी है उसी भूमि पर कोयला उत्पादन की फिलहाल योजना है जैसे जैसे नौकरी दी जाएगी उसके बाद ही प्रबंधन उनके भूमि से कोयला निकालने का कार्य शुरू करेगी।

कोरिया कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में किसानों को नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना की जानकारी, तिलहन एवं दलहन फसल को दी जा रही प्राथमिकता

कोरिया बैकुंठपुर। जिले में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से कोरिया कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना के तहत तिलहन एवं दलहन फसलों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत खाद्य तेलों के आयात को कम करना और किसानों को अधिक लाभ देना है।

कलेक्टर कोरिया चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में कृषि विभाग ने जिले के विभिन्न ब्लॉकों में किसानों के साथ जागरूकता शिविर, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कृषक संवाद का आयोजन प्रारंभ किया है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को तिलहन फसलों जैसे सरसों, मूंगफली, सोयाबीन एवं दलहन फसलों जैसे चना, मसूर, अरहर इत्यादि के महत्व, वैज्ञानिक खेती की विधियों तथा उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में भारत खाद्य तेलों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर बोझ पड़ता है। ऐसे में सरकार ने तिलहन उत्पादन को बढ़ाने हेतु यह विशेष मिशन शुरू किया है। कोरिया जिले में भी इस दिशा में विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है, ताकि स्थानीय किसानों को योजना का अधिकतम लाभ मिल सके।

कृषि वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को बताया कि तिलहन एवं दलहन फसलें मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी सहायक होती हैं और फसल चक्र में इन्हें शामिल करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है। साथ ही, इन फसलों की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम होती है, जिससे किसानों को अधिक मुनाफा मिलता है।

कृषि विभाग द्वारा बीज वितरण, प्रशिक्षण, तथा किसानों को अधिक से अधिक दलहन तिलहन फसल की खेती में ध्यान देने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है निश्चित तौर पर कोरिया जिले के किसानों को इसका लाभ मिलेगा। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम के दौरान बैकुंठपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत बुढार, सरभोक, कुडेली, मनसुख, सलका, बिशनपुर, के किसान उपस्थित रहे इस दौरान जनपद पंचायत बैकुंठपुर के अध्यक्ष उदय सिंह, जिला पंचायत सदस्य संगीता सोनवानी, सौभाग्यवती सिंह खुसरो वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी वंदना सिंह श्याम, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दीपेंद्र पंकज , रवि शंकर, राकेश पैकरा, अमित लकड़ा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के निधन पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने जताया शोक

रायपुर। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि आज पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे जी के निधन का दुखद समाचार सोशल मीडिया से प्राप्त हुआ है। डॉ. सुरेन्द्र दुबे जी आपने छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में जन्म लिया और पूरे छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देशभर में भी अपनी हास्य कविताओं और सामाजिक व्यंग्य के लिए लोकप्रिय हुए। आपकी साहित्यिक श्रेणी और हास्य कविताओं की यादें हमेशा अविस्मरणीय रहेंगी। आपकी उपस्थिति किसी भी मंच को जीवंत बना देती थी। आपकी लेखनी में समाज की विडंबनाओं पर करारा प्रहार भी रहता था, साथ ही प्रस्तुतिकरण में आपकी सरलता और हास्य का पुट देखने को मिलता था। आपने कई मंचीय कवि सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। आप अपने पीछे एक भरा-पूरा परिवार और साहित्यिक क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ गये हैं। विकास उपाध्याय ने परम पिता परमात्मा से प्रार्थना किये हैं कि परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और डॉ. सुरेन्द्र जी के परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति दे।

दोपहिया वाहनों से टोल वसूली का फैसला तत्काल वापस लिया जाए - कन्हैया

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने १५ जुलाई से देश भर में दो पहिया वाहनों (मोटरसाइकिल स्कूटर) से टोल टैक्स वसूली किए जाने के फैसले की तीव्र आलोचना करते हुए कहा कि यह फैसला निम्न वर्ग, निम्न मध्यमवर्गीय वर्ग के हितों पर कुठाराघात है। सरकार के फैसले से देश के नौजवानों बेरोजगारों और निम्न मध्यमवर्गीय लोगों की कमर टूटेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार को अपना फैसला तत्काल वापस लेना चाहिए। सरकार यह फैसला वापस नहीं लगी तो पूरे प्रदेश में इसका कड़ा विरोध किया जाएगा एनएचएआई के दफ्तर सहित टोल नाका में सरकार के निर्णय के विरुद्ध प्रदर्शन किया जाएगा।

बैंकों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने दिए ऋण प्रकरणों के शीघ्र निपटान और सीएसआर गतिविधियों में भागीदारी के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने की। बैठक में जिले के सभी बैंकों, नाबार्ड, कृषि, उद्यानिकी, उद्योग, ग्रामीण व शहरी आजीविका मिशन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में प्राथमिकता क्षेत्र, कृषि ऋण, लघु उद्योगों को प्रोत्साहन, स्व-सहायता समूहों के ऋण प्रकरण और वित्तीय समावेशन जैसे विषयों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्देश दिए कि स्व सहायता समूहों के ऋण प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को समय पर स्वरोजगार के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं सुलभ बनाने के लिए अधिक संख्या में बीसी सखी की नियुक्ति की जाए और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित हों। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत सभी पात्र किसानों को लाभान्वित करने पर बल देते हुए संबंधित विभागों को अधिक से अधिक प्रकरण बैंकों को भेजने के निर्देश दिए। जनधन योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि वर्तमान में चल रहे 'धरती आबा अभियान' के अंतर्गत १५ जुलाई तक सभी पात्र व्यक्तियों के जनधन खाते खोले जाएं। साथ ही २० रुपए में होने वाली प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत सभी खाताधारकों का बीमा सुनिश्चित किया जाए। स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था (आरसेटी) के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि जिले में तेजी से चल रहे आवास निर्माण को देखते हुए राजमिस्त्री के प्रशिक्षण सत्रों को प्राथमिकता दी जाए। प्रशिक्षण शिविर मैदानी स्तर पर आयोजित कर जल्द से जल्द युवाओं को कुशल श्रमिक के रूप में तैयार किया जाए। स्वास्थ्य क्षेत्र में बैंकिंग क्षेत्र की सामाजिक भागीदारी पर जोर देते हुए कलेक्टर ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में टीबी मरीजों की पहचान की गई है। मरीजों को बेहतर उपचार और निशुल्क एक्सरे तथा नाट जांच की सुविधा दिलाने हेतु उन्होंने बैंकों से सीएसआर मद से सहयोग करने की अपील की। इस पर सभी बैंकों ने 'निक्षय मित्र योजना' में भागीदारी की सहमति जताई। आगामी छह माह तक बैंकों द्वारा टीबी मरीजों को ५०० रुपए प्रतिमाह की दर से पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक, नाबार्ड प्रतिनिधि सहित जिले के सभी बैंक अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हाई स्कूल मुरमा के विद्यार्थियों ने किया कमाल

शत-प्रतिशत प्रथम श्रेणी परिणाम पर मना उत्सव

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शुरू 'मिशन १००' के तहत बैकुंठपुर विकासखण्ड के शासकीय हाई स्कूल मुरमा ने शिक्षा सत्र २०२४-२५ की हाई स्कूल परीक्षा में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने की उपलब्धि पर शाला प्रवेश उत्सव एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष उदय सिंह एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था की प्राचार्य श्रीमती ज्योतिसिना कुजूर, संकुल समन्वयक सुशील शुक्ला, विद्यालय के समस्त शिक्षक, अभिभावक एवं छात्रगण शामिल हुए।

विद्यालय की छात्रा कु. काजल ने कक्षा १०वीं में ९४ब अंक अर्जित कर जिला की वरीयता सूची में चौथा स्थान प्राप्त किया। जनपद अध्यक्ष द्वारा काजल समेत प्रथम तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को ११००-११०० रुपए नकद एवं मेडल प्रदान किए गए। साथ ही संकुल समन्वयक सुशील शुक्ला द्वारा काजल को ५००० रुपए का विशेष नगद पुरस्कार भेंट किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता ने बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने हेतु एक स्मार्ट टीवी देने की घोषणा की, जिससे विद्यालय में तकनीकी संसाधनों की वृद्धि होगी। उन्होंने शिक्षकों को डायरी और विद्यार्थियों को पेन भेंट कर प्रोत्साहित किया।

अध्यापकों को मिलेगा सम्मान - विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और शिक्षक-समर्पण को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने १५ अगस्त को संस्था प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक को जिला स्तरीय सम्मान देने की घोषणा भी की।

वृक्षारोपण की पहल - एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत सभी अतिथियों, पालकों व विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन और स्वागत गीत से हुई। मंच संचालन शिक्षिका श्रीमती वंदना शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य श्रीमती ज्योतिसिना कुजूर ने सभी अतिथियों, पालकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में विद्यालय की और भी ऊँचाइयों तक पहुँचने की उम्मीद जताई।

जिला पंचायत की सामान्य सभा बैठक सम्पन्न, झुमका जलाशय की मत्स्य पालन लीज निरस्त

कोरिया बैकुंठपुर - जिला पंचायत कोरिया की सामान्य सभा की बैठक बुधवार को मंथन कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय समस्याओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय झुमका जलाशय की मत्स्य पालन लीज निरस्त करने का रहा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

झुमका बांध की लीज निरस्त - मत्स्य पालन विभाग द्वारा बताया गया कि झुमका जलाशय की लीजधारी संस्था ने पिछले पांच वर्षों से लीज की निर्धारित राशि जमा नहीं की है, जिससे लगभग ६.५ लाख रुपए का बकाया हो गया है। इस पर सामान्य सभा ने लीज निरस्त करने और समूह से वसूली हेतु प्रकरण दर्ज कराने का निर्णय लिया।

जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा - सभा में सदस्यों ने अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याएं उठाईं, जिनमें आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी, विद्यालय परिसरों में शौचालयों की मरम्मत, जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल आपूर्ति की स्थिति, स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की नियुक्ति, वनांचल क्षेत्रों में सौर संयंत्रों की मरम्मत, राजस्व मुआवजा वितरण आदि शामिल रहे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने सभी संबंधित विभागों को एक पखवाड़े के भीतर कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पंचायत सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं के तहत सामग्री वितरण कार्यक्रमों में स्थानिय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य किया जाए। विभागीय अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सदस्यों ने नाराजगी जताई गई, जिस पर सीईओ ने सभी को आगामी बैठकों में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वनाधिकार पत्रक का वितरण - जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने बैठक के दौरान चार हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टे भी प्रदान किए। जिला पंचायत सदस्य सुरेश सिंह ने सोनहत क्षेत्र में बन रही सड़कों व स्टॉप डेम में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की शिकायत की। इस पर सीईओ ने तत्काल जांच समिति गठित कर रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समिति में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

निक्षय मित्र योजना में सहभागिता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि टीबी से ग्रसित मरीजों को छह माह तक पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु निक्षय मित्र योजना को जनप्रतिनिधियों से जोड़ा जा रहा है। सदस्यों ने इस कार्य में भागीदारी हेतु सहमति व्यक्त की।

बैठक में प्रमुख रूप से जिला पंचायत के उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सौभाग्यवती सिंह कुसरो, श्रीमती संगीता सोनवानी, सुरेश सिंह, श्रीमती गीता राजवाड़े, श्रीमती स्नेहलता गोड़, श्रीमती शिवकुमारी, श्रीमती सुषमा कोरम, जनपद अध्यक्ष उदय सिंह, सोनहत जनपद अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी सोनपाकर, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 122 अंक उछला, निफ्टी 25,287 पर

मुंबई,26 जून। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 122 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,877.60 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.17 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,287.50 पर खुला. कारोबारी सप्ताह के तीसरे दिन शेयर बाजार ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 700 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,755.51 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.80 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,244.75 पर बंद हुआ. लगभग 2711 शेयरों में बढ़त हुई, 1163 शेयरों में गिरावट आई तथा 127 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ. कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे.

भारतीय कप्तान शुभमन गिल के नाम जुड़ा अनचाहा रिकॉर्ड, विराट कोहली के क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली,26 जून। शुभमन गिल की कप्तानी की शुरूआत अच्छी नहीं रही है. उनके नेतृत्व में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा. 25 वर्षीय शुभमन गिल ने 20 जून को लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरूआत की. उन्होंने पहली पारी में 147 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद भारत को पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी और उसके नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया.

भारत ने चौथी पारी में इंग्लैंड के सामने 371 रनों का लक्ष्य रखा था. बेन डकेट की 149 रन की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया. इस हार के साथ गिल दिलीप वेंगसरकर और विराट कोहली की अनचाही सूची में शामिल हो गए. वह शतक बनाने के बावजूद अपना पहला टेस्ट हारने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन गए.

दिलीप वेंगसरकर ने नवंबर 1987 में अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरूआत की थी. उन्होंने दूसरी पारी में 102 रन बनाए थे लेकिन उनके प्रयास बेकार गए और भारत 5 विकेट से हार गया. इसके बाद विराट कोहली ने दिसंबर 2014 में एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट कप्तानी की शुरूआत की. उन्होंने दोनों पारियों में शतक (115 और 141) बनाए लेकिन इसके बावजूद भारत को 48 रनों से हार स्वीकार करनी पड़ी.

भारत के लिए चार बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल ने लीड्स टेस्ट में पांच व्यक्तिगत शतक बनाए. लेकिन फिर भी भारत को हार का सामना करना पड़ा. बेन डकेट ने शानदार 149 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत दिलाई. इंग्लैंड ने मंगलवार को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच में भारत को पांच विकेट से हरा दिया. अब इस सीरीज का दूसरा टेस्ट 2 जुलाई को खेला जाएगा.

इस मैच में भारत ने पहली पारी 471 रन बनाए और इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर रोक दिया और 6 रनों की मामूली बढ़त हासिल की. भारत ने दूसरी पारी में 364 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 371 का लक्ष्य दिया और इंग्लैंड ने बेन डकेट के शतक, जैक क्रॉली और जो रूट के शानदार अर्धशतकों के चलते 82 ओवर में 5 विकेट खोकर 373 रन बनाकर 5 विकेट से जीत हासिल कर ली. इस हार के साथ भारत पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पिछड़ गया है.

छोटी खबरें

त्रिकोणीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टी-20 टीम घोषित

0-डेवाल्ड ब्रेविस को मिला मौका

नईदिल्ली,26 जून। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को आगामी 14 जुलाई से मेजबान जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ टी-20 प्रारूप में सीरीज खेलनी है। इसके त्रिकोणीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान किया है। रसी वैन डेर डुसेन की कप्तानी वाली 14 सदस्यीय टीम में युवा डेवाल्ड ब्रेविस को भी चुना गया है। आइए इस सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम पर एक नजर डालते हैं। ब्रेविस ने अगस्त 2023 ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में डेब्यू किया था। उस सीरीज में उन्होंने 2 मैच खेले, जिसमें उन्होंने सिर्फ 5 रन बनाए थे। वह अब 2 साल बाद फिर से टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेल सकते हैं। वह हाल ही में विटैलिटी ब्लास्ट टी-20 टूनार्मेंट में खेलते हुए दिखे थे। इससे पहले आईपीएल 2025 में सीएसके से खेलते हुए उन्होंने 6 पारियों में 37.50 की औसत से 225 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी इस टीम में कोर्बिन बॉश, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, रुबिन हरमन और सेनुरन मुथुसामी के रूप में 4 अनकैप्ड खिलाड़ियों (टी-20 में) को चुना है। सीरीज के लिए ऐसी है दक्षिण अफ्रीकी टीमः रसी वैन डेर डुसेन (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, नंद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी, रीजा हेंड्रिक्स, रुबिन हरमन, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, सेनुरन मुथुसामी, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, और एंडिले सिमलेन।

इस त्रिकोणीय सीरीज के सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे। 14 जुलाई, 2025ः जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 16 जुलाई, 2025ः दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 18 जुलाई, 2025ः जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 20 जुलाई, 2025ः जिम्बाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 22 जुलाई, 2025ः न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 24 जुलाई, 2025ः जिम्बाब्वे बनाम न्यूजीलैंड, हरारे स्पोर्ट्स क्लब 26 जुलाई, 2025ः टीबीसी बनाम टीबीसी, फाइनल, हरारे स्पोर्ट्स क्लब

सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी में कराई स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी

नईदिल्ली,26 जून। टी-20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख में पेट के निचले हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई है। 34 साल के इस खिलाड़ी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर खुद इसके बारे में जानकारी दी। ऐसी खबर है कि इस सर्जरी के बाद कुछ दिन उन्हें आराम करना होगा और वह इसके बाद बेंगलुरु स्थित सेंटर एक्सीलेंस में अपनी रिकवरी करेंगे।

सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'लाइफ अडेट, निचले दाएं पेट में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई। खुशी है कि सर्जरी सफल रही और अब मैं तेजी से ठीक हो रहा हूं। वापसी का इंतजार है।' सूर्यकुमार ने हाल ही में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और मुंबई प्रीमियर लीग में खेलने के बाद इंग्लैंड का रुख किया था। वहां उन्होंने स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से जुड़ी विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ली और फिर सर्जरी करवाई।

यह सूर्यकुमार की पिछले 3 सालों में तीसरी सर्जरी है। साल 2023 में उनके टखने की सर्जरी हुई थी, जबकि 2024 में भी उन्होंने स्पोर्ट्स हर्निया की यही सर्जरी करवाई थी। अब एक बार फिर उसी समस्या के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूर्यकुमार 2 हफ्ते बाद बेंगलुरु में रिहैब शुरू करेंगे, जहां उनकी सेहत पर खास ध्यान दिया जाएगा और वह धीरे-धीरे वापसी की तैयारी भी करेंगे।

भारतीय टीम को अगस्त में टी-20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करना है, जिसके लिए सूर्यकुमार निश्चित तौर पर उपलब्ध रहेंगे। आईपीएल 2025 में उन्होंने अपनी टीम के लिए बेहद यादगार प्रदर्शन किया था। वह 16 मैचों में 65.18 की औसत और 167.91 की स्ट्राइक रेट के साथ 717 रन बनाने में सफल रहे थे। इस संस्करण में

लीड्स टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली,26 जून। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है. राणा अब लीड्स से ही भारत वापस आ रहे हैं. राणा को इससे पहले लीड्स में पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, जिसे इंग्लैंड ने 371 रनों का पीछा करते हुए 5 विकेट से जीता था. रिपोर्ट के अनुसार, हर्षित राणा बुधवार को दूसरे टेस्ट के लिए बर्मिंघम रवाना हुए दल के बाकी सदस्यों के साथ यात्रा पर नहीं गए. भारतीय दल स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:30 बजे लीड्स से बस से रवाना हुआ. राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच से कुछ दिन पहले ही भारतीय स्कवाड में शामिल किया गया था. वह भारत ए टीम का हिस्सा थे जिसने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेले थे और उन्हें बैकअप तेज गेंदबाज के तौर पर टीम इंडिया के साथ रहने के लिए कहा गया था. बता दें कि, लीड्स टेस्ट गंवाने के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य कोच गौतम गंभीर ने राणा को टीम से रिलीज करने के संकेत दिए थे. गंभीर ने कहा था, 'मैंने अभी मुख्य चयनकर्ता से बात नहीं की है, लेकिन कुछ खिलाडि ?ों को छोटी-मोटी चोट की आशंका थी. इसलिए हमने उन्हें (हर्षित राणा) बैकअप के तौर पर रखा था. लेकिन अब सब ठीक लग रहा है, तो अब अगर सब ठीक है, तो उन्हें वापस लौटना होगा'. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट डेब्यू किया और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरूआत में उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह दी गई. उन्होंने पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन किया और 3 विकेट चटकाए, लेकिन दूसरी पारी और फिर अगले टेस्ट में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाने के कारण उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया.

क्रिकेटर कमेंटेटर सुशील दोशी ने क्रिकेट का आंखों देखा हाल विषय पर की बात, बोले कमेंट्री के दौरान भाषा का करें सम्मान

ग्वालियर। पद्मश्री से अलंकृत हिन्दी क्रिकेट कमेंटेटर सुशील दोशी ने कहा कि हमें भाषा का सम्मान करना है और किसी भी स्थिति में भाषा को बिगड़ने नहीं देना है। आज क्रिकेट में जितनी क्रांति आई है, स्तरहीन भाषा से उतनी ही भ्रांति भी आ रही है। सुशील दोशी महाराज बाड़ा स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय में ₹क्रिकेट का आंखों देखा हाल₹ विषय पर केंद्रित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। लेखक संदीप जोशी कार्यक्रम में विद्वान वक्ता के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्षता आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के सम- कुलाधिपति डॉ. दौलत सिंह चौहान ने की। आयोजन में मंच पर क्षेत्रीय ग्रंथपाल राकेश कुमार शर्मा व ग्रंथपाल विवेक सोनी भी उपस्थित थे। आयोजन चचार्मंडल व संभागीय केंद्रीय पुस्तकालय ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

इस अवसर पर इतिहासविद प्रोफेसर संजय स्वर्णकार, क्रिकेट

----------------------------- व्यापार/फिल्म-----------------------------

दिल रहेगा दुरुस्त, जब रोज की डाइट में होंगे ये 4 सुपरफूड्स

ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड, डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली ने बताया

रायपुर, लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे दिल की बीमारी और हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए संतुलित खानपान अहम भूमिका निभाता है। रोजमर्रा की डाइट में बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और सब्जियां शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखा जा सकता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी जरूरी है। इस लेख में जानिए चार ऐसे खास फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल कर आप कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ स्तर पर बनाए रख सकते हैं। बादाम : बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और जिंक समेत १५ जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रोजाना बादाम खाने से टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, ये शरीर में सूजन को घटाते हैं, जो दिल की बीमारी का बड़ा कारण बन सकती है। एक मुट्ठी बादाम न केवल एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, बल्कि पेट की चर्बी और कमर की चौड़ाई घटाने में भी मददगार है। आप बादाम को सलाद, मिठाइयों या स्मूदी में मिलाकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

साबुत अनाज और ओट्स : साबुत अनाज को अपनी डाइट में शामिल करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, दिल की बीमारियों का खतरा घटता है, वजन नियंत्रण में रहता है और बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है। ओट्स खासतौर पर कोलेस्ट्रॉल घटाने और दिल को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार हैं। इन्हें डाइट में शामिल करने के आसान तरीके हैं, नाश्ते में ओटमील या होल ग्रेन सीरियल लें, बेकिंग में होल ग्रेन आटे का इस्तेमाल करें, उबले हुए साबुत अनाज को सलाद या सूप में मिलाएं, स्मूदी में ओट्स डालें और सैंडविच के लिए होल ग्रेन ब्रेड चुनें।

नाटो के एक फैसले के बाद भारत के डिफेंस सेक्टर के शेयर में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली,26 जून। भारतीय डिफेंस कंपनियों के शेयरों में गुरुवार 26 जून को तेजी देखने को मिली. नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) के सहयोगियों ने 2035 तक अपने रक्षा खर्च को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांच फीसदी तक बढ़ाने की योजना बनाई है. जिससे निवेशकों का डिफेंस शेयरों को लेकर मनोबल बढ़ा. नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) के सदस्य देशों ने बुधवार को 2035 तक अपने वार्षिक रक्षा खर्च को अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5 फीसदी तक बढ़ाने की योजना बनाई है. साथ ही इस बात पर जोर दिया कि एक सहयोगी के खिलाफ हमला सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा. यह घोषणा डच शहर द हेग में एक कड़े सुरक्षा सम्मेलन में की गई, जहां सामूहिक रक्षा, बोझ साझा करना और भविष्य की युद्ध की तैयारी एजेंडे में सबसे ऊपर थी. यह निर्णय वर्तमान 2 फीसदी लक्ष्य से एक बड़ा बदलाव दिखाता है, जो रूस के उत्पन्न खतरे, सैन्य बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की आवश्यकता और नाटो की अमेरिका पर निर्भरता कम करने की इच्छा पर बढ़ती चिंता को दिखाता है. 5 फीसदी के आंकड़े में मुख्य रक्षा खर्च और साइबर सुरक्षा, रसद, बुनियादी ढांचे और नागरिक लचीलापन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए पैसे दोनों शामिल हैं. हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी भारत स्थित रक्षा कंपनियों में तेज खरीदारी देखी गई, जो एक-एक फीसदी तक बढ़ गई. इसके अलावा निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में भी एक फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जिसमें गार्डन रीच शिपबिल्डर्स, डीसीएक्स सिस्टम्स और भारत डायनेमिक्स ने बढ़त दर्ज की. वित्त वर्ष 2016 से भारतीय कंप नियों से रक्षा निर्यात में 13 गुना बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि निजी क्षेत्र का निर्यात 67 गुना बढ़ा है और घरेलू खरीद का हिस्सा बढ़कर 75 फीसदी हो गया है, जिसमें बढ़ोतरी की काफी गुंजाइश है.

डीएस ग्रुप की पल्स कैंडी बनी 750 करोड़ की उपभोक्ता ब्रांड

रायपुर, देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में से एक धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने अपनी लोकप्रिय ब्रांड पल्स को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है वित्त वर्ष २०२४-२५ में पल्स कैंडी ने उपभोक्ता मूल्य पर ७५० करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है यानी एक साल में ७५० करोड़ पल्स कैंडीज बिकीं जिससे यह भारत की सबसे ज्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले ९ वर्षों से पल्स की मजबूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दशार्ती है।

डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने कहा पल्स को हम एक अग्रणी भारतीय पारंपरिक मिठाई ब्रांड के रूप में विकसित कर, इसे बहु-फॉर्मेट और बहु-उपयोग अवसरों वाला उत्पाद बनाना चाहते हैं। हम इसके लिए संबंधित उत्पाद श्रेणियों में विस्तार, नए फॉर्मेट्स की खोज और क्षेत्रीय स्वादों के अन्वेषण पर ध्यान देंगे। ब्रांड बिल्डिंग, उपभोक्ता जुड़ाव और गहरी बाजार पैठ हमारी प्राथमिकताएं हैं। हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विस्तार को लेकर आक्रामक हैं। भारत में हमारी वितरण श्रृंखला ३५ लाख से अधिक दुकानों तक पहुँच चुकी है।

श्री कुमार ने आगे कहा, फ्रूटी और खट्टे स्वादों के संगम से बनी पल्स, खासकर कच्चे आम के मसालेदार कोर के साथ, एक अनोखा स्वाद अनुभव देती है। यह भारतीय स्वाद पसंदों के अनुरूप था और उस समय प्रचलित वेस्टर्न-स्टाइल कैंडीज से अलग था। पल्स का १ का मूल्य निर्धारण एक साहसिक कदम था, जब ८६प्रतिशत हार्ड बॉयल्ड मार्केट ५० पैसे के मूल्य बिंदु पर था। इससे न केवल मूल्य में बल्कि मूल्य अनुभव में भी बढ़ोतरी हुई, जो उपभोक्ताओं को भाया।

राज्यपाल डेका ने पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर शोक व्यक्त किया

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेश के प्रख्यात हास्य कवि एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि डॉ. दुबे ने अपनी व्यंग्यात्मक शैली, हास्यबोध और सामाजिक सरोकारों से भरी रचनाओं के माध्यम से हिन्दी कविता जगत को समृद्ध किया। वे न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश में अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं। उनकी कविताओं ने समाज को स्वस्थ हास्य के साथ नई सोच की दिशा दी। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. दुबे का निधन साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है। राज्यपाल डेका ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकसंतप्त परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

इंदौर की तर्ज पर रायपुर में जनजागरण अभियान चलाने एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे - महापौर चौबे

00 सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर आम जनता को जागरूक बनाकर पूर्ण प्रभावी प्रतिबंध लागू करेंगे

00 आरआरआर केन्द्र सभी 10 जोनो में खोलकर प्रभावी संचालन करवायेंगे, 00 स्वच्छता और विकास को नई दिशा देने का कार्य रायपुर नगर निगम में भी करेंगे

रायपुर। इंदौर नगर निगम के बेहतर कामकाज को देखकर प्रदेश के सभी महापौर, आयुक्त व अधिकारियों का दल वापस लौट गए हैं। अब अपने-अपने निगम कार्यक्षेत्र में इसे लागू करवाने का प्रयास करेंगे। रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि रायपुर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण व्यवहारिक प्रतिबंध लगाने प्रयास किया जायेगा। इसमें एनजीओ को जोड़कर आमजनता को सिंगल यूज प्लास्टिक के बारे में जागरूक बनाया जाकर प्रभावी प्रतिबंध लागू किया जायेगा। सभी 10 जोनो में आरआरआर रियूज, रिड्यूज, रिसाइकल केन्द्र को अपग्रेड करते हुए एनजीओ के माध्यम से उनका रायपुर में प्रभावी संचालन किया जायेगा। नगर पालिक निगम रायपुर में उप अभियंताओं को स्वच्छता कार्य की मॉनिटरिंग में लगाया जायेगा। महापौर ने कहा कि रायपुर में शत प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का प्रभावी क्रियान्वयन करने 20 कर्मचारियों की टीम गठित कर सफाई वाहनों की ट्रेकिंग का कार्य करेंगे।

महापौर ने कहा कि इंदौर में पूर्ण रूप से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध है एवं इसके उपयोग पर जुमार्ना किया जाता है। यहाँ तक की कचरा अलग-अलग करके अगर गाड़ी में डालने जाओ तो कचरा नहीं उठाया जाता है। 6 बिन सेग्रीगेशन - इंदौर में विशेष रूप से जो सबसे प्रभावी लगा, वो है यहां का 6 प्रकार से कचरा अलग-अलग करना एवं शत- प्रतिशत घरो से कचरा संग्रहण। इससे कचरे का प्रबंधन और साइंटिफिक तरीके से उसकी रिसाइकलिंग आसान हो जाती है। इससे पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुंचता है।

आत्मनिर्भर वार्ड - इंदौर में वार्ड अपने यहां निकलने वाले कचरा का प्रबंधन अपने वार्ड में ही प्रोसेस और रिसाइकल करते हैं। गीले कचरे से खाद बनाई जाती है। इंदौर का यह आत्मनिर्भर वार्ड का कॉन्सेप्ट बहुत अच्छा है। कपड़े की रिसाइकलिंग - इंदौर में टेक्सटाइल इंडस्ट्री से निकलने वाली कपड़े की कतरन और अन्य वेस्ट को भी प्रोसेस कर रिसाइकल कर रीयूज किया जाता है जो कि बहुत अच्छा मॉडल है। इंदौर में मुझे देखने में आया कि ज्यादातर नालियां कवर्ड हैं। इससे नालियों में कचरा नहीं जाता और बरसात में नाले-नालियां जाम नहीं होती।आरआरआर केंद्र - इंदौर में देखने में आया कि आरआरआर केंद्र जहां उपयोग की गई वस्तु को जरुरत मन्द लोगो को पुनः उपयोग हेतु कलेक्ट करना, एनजीओ के माध्यम से बढि?ा ढंग से संचालित किये जा रहे है।

महापौर ने कहा कि रायपुर की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण में यह पाया गया कि इंदौर नगर निगम स्वच्छता व्यवस्था में आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। इंदौर में कचरा संग्रहण का कार्य नगर निगम स्वयं करता है-घर घर से कचरा एकत्र कर सीधे ट्रांसफर स्टेशन और प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुँचाया जाता है। इस मॉडल के अंतर्गत मानव संसाधन, वाहन, सॉफ्टवेयर एवं निगरानी प्रणाली सभी निगम के स्वामित्व में हैं. जिससे लागत प्रभावशीलता और सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

महापौर ने कहा कि रायपुर नगर निगम के वर्तमान आउटसोर्सिंग एक विशेष टास्क फोर्स का गठन करेंगे, जो ठेकेदार कंपनी के कार्यों की नियमित और गहन निगरानी करेगी। महापौर ने आगे कहा कि जनजागरूकता के क्षेत्र में भी इंदौर की तर्ज पर रायपुर में भी जागरूकता अभियान चलाने हेतु एनजीओ की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राज्य शासन को प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। महापौर श्रीमती चौबे ने बताया कि प्रत्येक जोन पर नए कचरा ट्रासंफर स्टेशन, सेकेंडरी कलेक्शन पॉइंट को बनाने के लिए सर्वे कर शासन से राशि की मांग की जाएगी, जिससे शहर में व्यवस्थित तरीके से कचरा प्रबंधन किया जा सके।

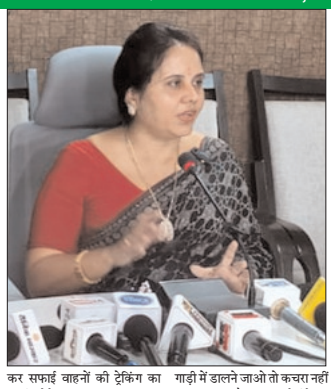

महापौर ने कहा कि रायपुर नगर निगम द्वारा वार्ड का नक्शा तैयार करने का कार्य शहर हित में पूरी गंभीरता के साथ किया जा रहा है। प्रत्येक वार्ड के नाला, नाली, सडक, उद्यान, तालाब, शासकीय भवन, सामुदायिक भवन, बीएसयूपी परिसर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रसाधन व्यवस्था, नगर निवेश विभाग द्वारा स्वीकृत कालोनियों सहित अवैध कालोनियों, स्ट्रीट लाईट, विद्युत पोलो की जानकारी प्रत्येक वार्ड के मैप में दी जायेगी। यह कार्य वास्तुविदो के माध्यम से वार्ड पार्षदो से समन्वय बनाकर जोनों के अभियंताओं की टीम द्वारा शहर हेतु किया जा रहा है। जिसमें भविष्य की दृष्टि से अच्छी व्यवस्थाएं कायम करने नगर निगम रायपुर का यह वार्ड डेव्हल्पमेंट प्लान और सिटी डेव्हल्पमेंट प्लान उपयोगी सिद्ध हो सकेगा।

न्यूज गैलरी

मौसी के घर जायेंगे महाप्रभु, कपाट खुलने के साथ हुआ नेत्रोत्सव पूजन

अम्बिकापुर - १५ दिन तक बीमार रहने के बाद आज जगन्नाथ महाप्रभु का कपाट फिर से खोल दिया गया है। कपाट खुलने के साथ ही आज विधिवत नेत्रोत्सव पूजन किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर के संरक्षक बलराम दास ने बताया कि नेत्रोत्सव पूजन की शुरूआत गौरी गणेश के पूजन से की गयी तत्पश्चात कलश तथा भगवान के चक्र का पूजन मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इसी प्रकार दूसरे चरण में देर शाम हवन के साथ सूर्य, दीपक जलाये गये तथा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र तथा सुभद्रा जी की आरती की गयी। उन्होंनें बताया कि २६ जून को उभजात्रा पूजन की है जिसमें भगवन जगन्नाथ को मौसी के घर भेजने की तैयारी होगी। अगले दिन २७ जून को सुबह ९ बजे पूजन शुरू होगा जो १२ बजे तक समाप्त कर दिया जायेगा। दोपहर १२.३० बजे तक निर्धारित प्रथम पहर के मुहूर्त में ही भगवान जगन्नाथ, बलभद्र तथा देवी सुभद्रा को रथ पर बैठाकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए दुर्गा बाड़ी स्थित उनकी मौसी के घर पहुंचाया जायेगा। श्री जगन्नाथ मंदिर समिति एवं उत्कल समाज के अध्यक्ष मनोज कंसारी ने रथयात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को शामिल होने की अपील की है।

भारतमाला योजना घोटाला : बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए हुई भूमि अधिग्रहण मामले में प्रक्रिया में तत्कालीन तहसीलदार और पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बिलासपुर। भारतमाला योजना के तहत बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए हुई भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में तत्कालीन तहसीलदार डीएस उड़के और पटवारी सुरेश कुमार मिश्रा पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर शासन को लाखों की चपत लगाने के आरोप में पुलिस ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन उनकी अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। ढेका गांव में सामने आए इस मामले में आरोप है कि मुआवजा पाने के लिए सरकारी रिकॉर्ड में फर्जी तरीके से कुछ लोगों के नाम जोड़ दिए गए। राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर कर उनके नाम पर जमीन दर्ज की गई और फिर नामांतरण और बंटवारे की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके चलते सरकार को वास्तविक से ज्यादा मुआवजा देने की नौबत आ गई। नायब तहसीलदार राहुल शर्मा ने इस मामले में तोरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर एसडीएम और जिला स्तरीय जांच समिति ने पूरे मामले की जांच की थी। जांच में सामने आया कि तत्कालीन तहसीलदार डीएस उड़के और पटवारी सुरेश मिश्रा ने कागजों में मिलकर गड़बड़ी की। यह भी पाया गया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अधिक मुआवजा तय किया गया जिससे शासन को आर्थिक नुकसान हुआ। फिलहाल पुलिस ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 467 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के इरादे से जालसाजी), 471 (फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल), और 34 (साझा इरादा) के तहत अपराध दर्ज किया है। पटवारी सुरेश मिश्रा को एक दिन पहले ही निलंबित कर दिया गया है। उसकी तैनाती फिलहाल तखतपुर में थी, लेकिन अब उसे जिला मुख्यालय में अटैच किया गया है। बताया जा रहा है कि ढेका में पोस्टिंग के दौरान उसने यह गड़बड़ी की थी। पुलिस की ओर से कहा गया है कि दोषियों के खिलाफ आगे और जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस गड़बड़ी के कारण मुआवजा वितरण की प्रक्रिया रुकी हुई है, जिससे किसानों को भी परेशानी हो रही है।

रायपुर पश्चिम में चरणबद्ध रूप से बिजली तारों को अंडर ग्राउंड केबल के रूप में परिवर्तित किया जाएगा - मूणत

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधायक श्री राजेश मूणत ने आज रायपुरा चौक में 433.37 लाख रुपए की लागत से होने वाले अंडर ग्राउंड केबलिंग कार्य का श्रीफल फोड़कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकांत राठौर मुख्य अभियंता बिजली विभाग श्री मधुकर जमुलकर अधीक्षण अभियंता श्री महावीर विश्वकर्मा कार्यपालन अभियंता श्री वी के तिवारी श्री शिव गुप्ता लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री राजीव नशीने ,जोन आयुक्त श्रीमती राजश्री पटेल एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

अंडर ग्राउंड बिजली केबल का यह कार्य मनुआस रियल्टी मैरिज पैलेस चौक रायपुरा ,राज ट्रेडर्स से प्रतिमा हार्डवेयर तक,गोल चौक के पास डीडी नगर, मंजीत टावर के पास, कामाख्या रेस्टोरेंट के पास , राजा बैटरी से सन्नी ट्रेडर्स तक किया जाएगा ।विधायक श्री मूणत ने बताया कि जैसे ही यह अंडर ग्राउंड केबल कार्य पूर्ण हो जाएगा इसके शीघ्र बाद यहां पर लोक निर्माण विभाग से चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा।

रायपुर पश्चिम विधानसभा में विकास के कार्य निरंतर जारी है

श्री मूणत ने कहा कि इस चौड़ीकरण का कारण यहां लगने वाले ट्रैफिक जाम को दूर करना है जिससे जनसाधारण को आवागमन में सुविधा हो ।बिजली वायरों को अंडर ग्राउंड करने का कारण यह है कि इसके बाद यहां लगे बिजली खंभे हट जायेंगे जिससे यह मार्ग और अधिक चौड़ा हो जाएगा। इसके बाद उनका प्रयास विवेकानंद आश्रम से अनुपम गार्डन तक के बिजली वायरों को अंडर ग्राउंड करने का रहेगा।

श्री मूणत ने बताया कि रायपुर पश्चिम विधानसभा में विकास के कार्य निरंतर जारी है और यह धारा अनवरत बहती रहे इसके लिए वे निरंतर प्रयत्न शील रहते है। भेस थान में रिक्त पड़ी भूमि पर वर्किंग वुमन हॉस्टल बनाने के लिए रुपए 17 करोड़ की स्वीकृति भी जारी हो चुकी है और इसके लिए निविदा आमंत्रित की जा रही है। ठक्करबापा वार्ड में लंबे समय से पानी की समस्या के दृष्टिगत वहां पर रुपए 19 करोड़ की लागत से पानी टंकी पाइप लाइन निर्माण की स्वीकृति भी मिल चुकी है। जल्द ही सरस्वती नगर थाना के पास आमानाका बस डिपो की रिक्त भूमि पर मल्टी परपस स्पोर्ट्स हॉल के बनवाने के लिए भी प्रयास जारी है।

देव ने पद्मश्री डॉ. दुबे के निधन पर किया शोक व्यक्त

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव ने छत्तीसगढ़ से दुनियाभर में मशहूर हुए हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। श्री देव ने कहा कि हास्य साहित्य और चिकित्सा जगत में समान लोकप्रियता अर्जित कर डॉ. दुबे ने न केवल देश, अपितु वैश्विक स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की भाषा, संस्कृति और जीवन दृष्टि का परचम फहराया। छत्तीसगढ़ ने अपना सच्चा माटीपुत्र खो दिया है। यह छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि अपने चिर परिचित अंदाज के लिए वे अलग ही पहचान रखते थे। उन्हें भारत सरकार द्वारा 2010 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वे राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके थे। राजभाषा आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी सेवाओं को सदैव याद रखा जाएगा। श्री देव ने स्व. डॉ. दुबे की आत्मा को चिरशांति और शोकाकुल परिजनों व साहित्यप्रेमियों को यह गहन दुःख सहन करने का सामर्थ्य प्रदान करने की प्रार्थना परमपिता परमेश्वर से की है।

पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के निधन पर महापौर व सभापति ने शोक व्यक्त किया

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे के आज आकस्मिक निधन पर रमहापौर श्रीमती मीनल चौबे और सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने गहन शोक व्यक्त करते हुए परमपिता परमेश्वर के दिव्य श्रीचरणों में दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान हेतु विनम्र प्रार्थना की है। साथ ही सर्वशक्तिमान ईश्वर से दिवंगत आत्मा के समस्त परिजनों, ईष्ट मित्र गणों, सहयोगियों को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने विनम्र प्रार्थना की है।

साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है डा. दुबे का निधन - मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ी साहित्य व हास्य काव्य के शिखर पुरुष, पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे जी का निधन साहित्य जगत के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने आगे लिखा कि अचानक मिली उनके निधन की सूचना से स्तब्ध हूँ। अपने विलक्षण हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य और अनूठी रचनात्मकता से उन्होंने न केवल देश-विदेश के मंचों को गौरवान्वित किया, बल्कि छत्तीसगढ़ी भाषा को वैश्विक पहचान दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। जीवनपर्यंत उन्होंने समाज को हँसी का उजास दिया, लेकिन आज उनका जाना हम सभी को गहरे शोक में डुबो गया है। उनकी जीवंतता, ऊर्जा और साहित्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों और असंख्य प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करें।

राहत की बारिश..अब जाकर सक्रिय हुआ मानसून

रायपुर। अब लग रहा है कि मानसून छत्तीसगढ़ पहुंच गया है,कल शाम से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। रायपुर और दुर्ग में देर रात से सुबह तक तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने कहा है कि आज बारिश होगी,आसमान पर अच्छे खासे काले बादल है। कहीं कहीं गरज चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी भी दी गई है। रात की बारिश से शहर के कुछ निचले इलाकों में जल का भराव हो गया है। विभाग की माने तो अब कुछ दिन बारिश के आसार हैं। मतलब राहत भरी खबर के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में खेती किसानी के काम में भी तेजी आयेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम और उससे लगे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। यह प्रणाली समुद्र तल से लेकर 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक फैली है, जिसके प्रभाव से अगले 24 घंटों में इसी क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित होने की संभावना है। प्रदेश में अब तक 106.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 106.3 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक जशपुर जिले में सर्वाधिक 245.6 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। राजनांदगांव जिले में सबसे कम 35.1 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 95.7 मि.मी., सूरजपुर में 119.2 मि.मी., बलरामपुर में 228.2 मि.मी., कोरिया में 188.8 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 109.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 71.1 मि.मी. बलौदाबाजार में 107.6 मि.मी., गरियाबंद में 98.9 मि.मी., महासमुंद में 90.1 मि.मी. और धमतरी में 64.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 74.7 मि.मी., मुंगेली में 95.8 मि.मी., रायगढ़ में 162.3 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 103.2 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 138.9 मि.मी., सक्ती में 68.7 मि.मी. कोरबा में 114.4 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 117.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 62.1 मि.मी., कबीरधाम में 63.2 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 82.1 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 58.8 मि.मी., बालोद में 68.7 मि.मी. बेमेतरा में 44.0 मि.मी और बस्तर जिले में 141.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 86.9 मि.मी., कांकेर में 105.0 मि.मी., नारायणपुर में 66.5 मि.मी., दंतेवाड़ा में 144.8 मि.मी., सुकमा में 56.9 मि.मी. और बीजापुर में 198.0 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

राज्यपाल ने खैरागढ़ जिले में गोद ग्राम सोनपुरी के विकास कार्यों का लिया जायजा

00 स्वास्थ्य, शिक्षा, जल आपूर्ति, खेती और स्व-सहायता समूहों पर दिया गया विशेष जोर

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका दो दिवसीय दौरे पर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक लेकर विकास कार्यों की जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने अपने गोद लिए ग्राम सोनपुरी में संचालित योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की।

राज्यपाल ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि, उद्यानिकी और जल जीवन मिशन जैसे बुनियादी सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामीण तक पहुँचना चाहिए, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

खेती और प्रोसेसिंग पर बल - राज्यपाल श्री डेका ने ग्राम सोनपुरी में टमाटर की खेती की संभावनाओं को देखते हुए बाड़ी में टमाटर उत्पादन करने कहा। उन्होंने कहा कि टमाटर के अधिक उत्पादन को देखते हुए उसकी प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिले और फसल की बबार्दी न हो।

शत-प्रतिशत योजना लाभ का देने निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कार्ड बनाए जाएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए।

जल जीवन मिशन के तहत नल-जल पहुंच सुनिश्चित करें - जल जीवन मिशन की प्रगति पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने सोनपुरी में प्रत्येक घर तक नल से शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल स्रोतों की सततता बनाए रखने के लिए वर्षा जल संग्रहण, सोखता गड्ढे और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण जैसे उपायों को प्राथमिकता देने को कहा।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण का आह्वान - राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत सभी शासकीय भवनों जैसे स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन और स्वास्थ्य केंद्रों में अधिकाधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया। उन्होंने इसे पर्यावरण और मातृत्व दोनों से जुड़ी एक संवेदनशील पहल बताया।

शिक्षा में ड्रॉपआउट रोकने निर्देश - स्कूल छोड़ चुके बच्चों की जानकारी लेते हुए राज्यपाल ने ऐसे बच्चों को दोबारा विद्यालय से जोड? के लिए ठोस पहल करने को कहा। उन्होंने ग्रामीणों को साक्षर बनाने की भी अपील की, ताकि वे कम से कम अपना नाम लिख सकें।

महिला समूहों की सराहना

राज्यपाल ने स्व-सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि समूहों को आवश्यक संसाधन एवं प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को और सशक्त किया जाए। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तीन माह के भीतर ग्राम सोनपुरी में चल रहे समस्त विकास कार्यों की जानकारी ली जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी योजना में कोई कमी या बाधा पाई गई, तो उसे तत्काल दूर करते हुए गुणवत्ता युक्त कार्य सुनिश्चित किया जाएगा।

दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु निर्देश - राज्यपाल ने पुलिस विभाग के कार्यों की जानकारी लेते हुए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए समुचित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खासकर मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई और जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। उन्होंने शहर में भारी वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए वाहन मालिकों को अपने चालकों को समझाइश देने को कहा। साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा उपाय जैसे स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड आदि लगाने के निर्देश दिए।

◆ स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन (एन.एच. नं. 43अ.पुर) से मुद्रित एवं स्कूल रोड, बैकुण्ठपुर (कोरिया) से प्रकाशित 0 प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ● RNI No. 71235/98◆ डाक पंजीयन क्र./छ.ग./रायगढ़/सी.ओ./रायपुर05/2005 से2006 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com